दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

# क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-51 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 01 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

## बिहार में शीतला अष्टमी मंदिर में भगदड़, 9 श्रद्धालुओं की मौत, दर्जनों लोग घायल

नालंदा, (ए.)। बिहार के नालंदा जिले के मघड़ा गांव स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में मंगलवार सुबह भगदड़ की घटना में 9 लोगों की मौत हो गई और दर्जनभर से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में सभी महिलाएं बताई जा रही हैं।

मृतकों में से 2 की पहचान सकुन्त बिहार निवासी दिनेश रजक की 50 वर्षीय पत्नी रीता देवी और मथुरापुर नूरसराय निवासी कमलेश प्रसाद की 45 वर्षीय पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है। घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद मंदिर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। बताया गया है कि मंगलवार सुबह शीतला अष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में जुटी थी। इसी दौरान मंदिर में भगदड़ मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी पहुंचे हैं और बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल इस बात का पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि भगदड़ की वजह क्या थी। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि मंदिर में काफी भीड़ थी लेकिन उस हिसाब से सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए थे।

ज्ञात हो कि माघड़ा गांव, जो बिहारशरीफ से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है, में शीतला अष्टमी के दिन परंपरा के अनुसार भक्तों के घरों में चूल्हा नहीं जलता और एक दिन पहले ठंडा भोजन (बासी) माता को भोग के रूप में अर्पित किया जाता है। अष्टमी के दिन मंदिर में लंबी कतारों में भक्त माता के दर्शन के लिए आते हैं, जिससे भारी भीड़ और भगदड़ जैसी घटनाओं का खतरा रहता है।

### असम में वादों की बौछार, 64 लाख भर्तियों के अलावा 2 लाख अतिरिक्त सरकारी नौकरियां देगी भाजपा

गुवाहटी (आरएनएस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भाजपा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की मौजूदगी में संकल्प पत्र जारी किया। संकल्प पत्र में 64 लाख भर्तियों के अलावा 2 लाख अतिरिक्त सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराने का वादा किया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान के तहत 10 लाख युवाओं को नए उद्यम स्थापित करने में सहायता के लिए 5 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। नए स्नातकों को नौकरी की तैयारी के लिए 25,000 रुपए प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री की जीवन प्रेरणा योजना को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी) के तहत 22 लाख से अधिक मकान पूरे हो चुके हैं।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 "स्कूल चले हम" का शुभारंभ

भोपाल( निप्र) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हर नन्हा मन जुड़े, शिक्षा की रोशनी से स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ बुधवार 1 अप्रैल को सुबह 9 बजे मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टी.टी. नगर, भोपाल में करेंगे। साथ ही कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल का वितरण भी करेंगे।राज्य शासन द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के किये विभिन्न सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। इसके अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप सहायता दी जा रही है। स्कूटी योजना एवं साइकिल वितरण योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मिडिल एवं हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की पहचान एवं उनके पुन: नामांकन के लिये ट्रैकिंग सिस्टम भी संचालित किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। राज्य शासन ने इस वर्ष हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्तर पर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है।

### सूरत के घर में लगी भीषण आग, जिंदा जलकर 5 लोगों की मौत

सूरत, (आरएनएस)। गुजरात के सूरत शहर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां के लिंबायत इलाके में एक तीन मंजिला मकान में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में चार महिलाएं और एक छोटा बच्चा शामिल है। यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मीठी खाड़ी इलाके में हुआ। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस के अनुसार, जिस मकान में आग लगी वहां साड़ी पैकिंग का काम होता था।

### सोनिया गांधी का स्वास्थ्य पहले से बेहतर, सर गंगा राम अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का स्वास्थ्य अब पहले से काफी बेहतर है। मंगलवार को वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम की सहमति के बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार, 24 मार्च 2026 की रात 10:22 बजे सोनिया गांधी को बुखार की शिकायत के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज किया गया। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक और चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी को शरीर में संक्रमण के कारण एंटीबायोटिक दवाओं के तहत उपचार दिया गया। उनका इलाज डॉ. डीएस राणा, डॉ. एस नंदी और डॉ. अरुप बसु की देखरेख में किया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान सोनिया गांधी ने अच्छी प्रतिक्रिया दी और उनका स्वास्थ्य लगातार सुधार की ओर रहा। चिकित्सकों की टीम ने उनकी स्थिति का लगातार मूल्यांकन किया और पूरी निगरानी में रखकर सुनिश्चित किया कि इलाज सही तरीके से चले। इसके बाद मंगलवार को वरिष्ठ चिकित्सकों ने इस बात की पुष्टि की कि उन्हें अब अस्पताल में रहने की जरूरत नहीं है और घर पर सामान्य देखभाल और फॉलो-अप पर्याप्त रहेगा।

## बड़ा झटका!, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर लगेगा टोल, ईरान संसद ने योजना को दी मंजूरी

तेहरान (आरएनएस)। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन से जुड़ी एक अहम योजना को मंजूरी दे दी है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, इस योजना के तहत इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स (टोल) लगाया जाएगा। आईआरआईबी (IRIB) की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के एक सदस्य ने बताया कि प्रस्ताव को औपचारिक स्वीकृति मिल चुकी है। योजना में जलडमरूमध्य की सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय लेन-देन से जुड़े नियम शामिल किए गए हैं। खास बात यह है कि सभी जहाजों को टैक्स का भुगतान ईरान की मुद्रा रियाल में करना होगा। नई नीति के तहत अमेरिका और इज़राइल के

जहाजों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा, उन देशों के जहाजों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी जो ईरान के खिलाफ एकतरफा प्रतिबंधों का समर्थन करते हैं। इस कदम को क्षेत्र में ईरान की सामरिक पकड़ मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। बताया गया है कि इस समुद्री मार्ग के लिए कानूनी ढांचा तैयार करने में ओमान की सहायता ली जाएगी। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इज़राइल गठबंधन के बीच तनाव जारी है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र पर नियंत्रण को लेकर रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और तेज होने की आशंका है।दूसरी ओर, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका भविष्य में इस जलडमरूमध्य में अपनी समुद्री उपस्थिति और आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करेगा।

### नालंदा विश्विद्यालय का पतन केवल भारत नहीं, पूरी दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी क्षति थी : राष्ट्रपति

राजगीर, (ए.)। बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय ने लगभग आठ शताब्दियों तक ज्ञान के एक महान केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई थी, और इसका पतन न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी क्षति थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, इसका पुनरुद्धार, आधुनिक परिवेश में विश्वविद्यालय की गौरवशाली विरासत को फिर से स्थापित करने की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। स्नातकों को डिग्रियां प्रदान करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्थान के छात्रों को मानवता की एक साझी विरासत प्राप्त होती है। राष्ट्रपति ने कहा कि यहां से स्नातक होने वाले छात्रों को दो चीजें मिलती हैं — एक डिग्री और एक विरासत। जहां डिग्री उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, वहीं मानवता की जो विरासत वे यहां से पाते हैं, वह एक साझी विरासत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सानंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट के उद्घाटन के दौरान इंजीनियरों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।

### मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी, 16 जिलों में अलर्ट, 3 अप्रैल तक सक्रिय रहेंगे दो सिस्टम

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में मार्च के आखिर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी है। सोमवार को जहां 8 जिलों में ओलावृष्टि हुई, वहीं 20 से ज्यादा जिलों में तेज हवा और बारिश देखने को मिली। हालांकि कुछ इलाकों में गर्मी भी बरकरार रही और नर्मदापुरम व खजुराहो में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया।मौसम विभाग के मुताबिक, टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने से प्रदेश का मौसम बदला है और 3 अप्रैल तक ऐसे ही हालात बने रह सकते हैं। आज मंगलवार को भी प्रदेश में मौसम का यही मिला-जुला रूप देखने को मिल सकता है। अगले 24 घंटों के लिए ग्वालियर समेत 16 जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट शामिल हैं। यहां 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की संभावना है। सोमवार को उज्जैन, नीमच, मंदसौर, बैतूल, धार और सीहोर में ओले गिरे। इसके अलावा भोपाल, मैहर, श्योपुर, छिंदवाड़ा, रतलाम, शाजापुर, आगर-मालवा, खंडवा, देवास, खरगोन, पांढुर्णा, सिवनी और अनूपपुर समेत कई जिलों में कहीं बारिश तो कहीं तेज हवा और बादलों का असर रहा।

## "जाम नहीं, अब स्मार्ट रास्ता – संसदीय समिति में उठी शहरों की पुकार"

### ट्रैफिक जाम से मुक्ति का रोडमैप — सांसद माया नारोलिया ने संसद में रखा स्मार्ट समाधान

नर्मदापुरम (निप्र)। संसद भवन परिसर स्थित एनेक्सी में आज शहरी विकास एवं आवासन संबंधी संसदीय स्थायी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद एवं समिति सदस्य माया नारोलिया ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बैठक का मुख्य विषय था — स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से शहरी यातायात जाम की समस्या का समाधान। देश के तेजी से विस्तार लेते महानगरों और मध्यम श्रेणी के शहरों में यातायात की अव्यवस्था एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक समस्या बनती जा रही है, जिसके समाधान हेतु यह चर्चा अत्यंत सामयिक रही।

सांसद नारोलिया ने बैठक में अपने सुझाव रखते हुए कहा कि AI आधारित ट्रैफिक सिग्नल प्रणाली, रियल-टाइम निगरानी कैमरे और एकीकृत कमांड-कंट्रोल सेंटर के माध्यम से शहरों में यातायात प्रवाह को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीक का उपयोग केवल महानगरों तक सीमित न रहे, बल्कि मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी इसका विस्तार हो। उन्होंने यह भी सुझाया कि पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों के लिए समर्पित लेन, मल्टी-लेवल पार्किंग सुविधाओं का विकास और सार्वजनिक परिवहन को स्मार्ट तकनीक से जोड़ना — ये तीन कदम शहरी भीड़भाड़ को उल्लेखनीय रूप से कम कर सकते हैं। श्रीमती नारोलिया ने कहा, जब एक आम नागरिक प्रतिदिन घंटों ट्रैफिक में गंवाता है, तो यह केवल समय की बर्बादी नहीं — यह उसकी उत्पादकता, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर सीधा प्रहार है। समिति में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई और सदस्यों ने केंद्र सरकार से स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत ट्रैफिक प्रबंधन को प्राथमिकता देने की अनुशंसा किए जाने पर सहमति जताई।

### शुरू हो गए गर्मी के तीखे तेवर

#### बादल मंडराए, पारा फिर भी 40 के ही करीब

नर्मदापुरम(निप्र)। मार्च माह के अंतिम दिनों में गर्मी ने तीखे तेवर दिखाना शुरू कर दिया। जो लू का असर अप्रैल के तीसरे सप्ताह या मई के प्रथम सप्ताह में होता था वह एहसास मार्च के अंतिम दिनों में ही देखने को मिल रहा है। अब आज से अप्रैल माह शुरू हो रहा है ऐसा लग रहा है कि अप्रैल में और अधिक गर्मी का असर होना है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार गर्मी की भी ठंड जैसी संभावना है। क्योंकि कई वर्षों बाद लगातार और तेज ठंड का असर बरकरार रहा है। इसी तरह इस बार गर्मी भी तेज असर दिखाने की संभावना बनने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम पारा 40-41 के आसपास बना हुआ है। वहीं न्यूनतम पारा 25 दर्ज हुआ है। दो दिनों से तेज गर्मी के असर के चलते आसमान पर भूरे रंग के बादलों की आमद बढ़ती जा रही है। मौसम विभाग का मानना है इसी प्रकार मौसम बना रहने पर हल्की बारिश की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। बूंदाबादी हो सकती है।

# मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश मिलकर लिखेंगे सुशासन और आध्यात्मिक पर्यटन की नई इबारत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### बाबा विश्वनाथ से की प्रदेश की जनता की खुशहाली और निरंतर प्रगति की मंगलकामना

### क्रॉउड मैनेजमेंट, दर्शन व्यवस्था और मोबाइल ऐप आधारित टोकन सिस्टम का किया अवलोकन

भोपाल (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें विरासत के साथ विकास के मंत्र को आत्मसात करते हुए सुशासन और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में साझा संस्कृति विकसित कर रही हैं। यह न केवल दोनों राज्यों के संबंधों को प्रगाढ़ करेगा, बल्कि जन-कल्याण के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के भ्रमण के दौरान कही।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने वाराणसी भ्रमण की शुरूआत देवादिदेव महादेव श्री काशी विश्वनाथ जी के दर्शन और पूजन के साथ किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधि-विधान से पूजन कर मध्यप्रदेश की जनता की खुशहाली और निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पावन गंगा घाट पहुँचकर पतित पावनी माँ गंगा के दर्शन किए। उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ माँ गंगा का पूजन किया और गंगाजल से आचमन किया। दर्शन और पूजन के बाद उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ के धाम में आकर जो आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है, वह अद्भुत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को वाराणसी भ्रमण के दौरान विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर



कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और बाबा महाकाल के धामों के बीच व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू (MOU) किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दर्शनार्थियों को सुगम और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर परिसर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी के अनुभवों को मध्यप्रदेश के उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ-2028 के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के न्यासियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रेजेंटेशन से कॉरिडोर में तीर्थयात्री प्रबंधन, क्राउड कंट्रोल (भीड़ प्रबंधन), दर्शन व्यवस्था और मोबाइल ऐप आधारित टोकन सिस्टम का बारीकी से अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि प्रयागराज कुंभ और काशी कॉरिडोर के प्रबंधन से सीख लेकर हम उज्जैन में श्रद्धालुओं के लिए दूरगामी योजनाएं तैयार कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को दर्शन की उच्चतम और सुगम व्यवस्था देना हमारा लक्ष्य है। प्रेजेंटेशन से तीर्थ स्थल प्रबंधन की एसओपी (SOP) को समझा। इसमें रियल टाइम सीसीटीवी मॉनिटरिंग, जोन-बेस्ड क्राउड कंट्रोल, सुरक्षा प्रोटोकॉल और स्वच्छता प्रबंधन के आधुनिक तौर-तरीकों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा ग्लोबल सनातन पुस्तक भी भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और न्यायप्रियता को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आगामी 3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में महानाट्य का मंचन किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य शोध संस्थान के माध्यम से आयोजित होने वाले इस महानाट्य में सैकड़ों कलाकार हिस्सा लेंगे, जिसमें हाथी, घोड़े और ऊंटों के साथ प्राचीन विधाओं का जीवंत प्रदर्शन होगा।




मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में वाराणसी में मध्यप्रदेश - उत्तर प्रदेश सहयोग सम्मेलन : 226 में विभिन्न एमओयू का आदान-प्रदान किया।

## कॉलोनी में बदमाश की तलाश में गये बदमाशो ने मचाया तांडव

**- गाड़ियों में की तोड़फोड़, दरवाजे पर तलवारे मारी**
**- फायरिंग करने की बात भी आई सामने**

भोपाल(ए.)। पुराने शहर के गौतम नगर थाना इलाके में बीती रात उस समय दहशत फैल गई जब कॉलोनी में घुसे बाइक सवार बदमाशों ने दहशत फैलाते हुए यहां खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ कॉच तोड़ दिए। इतना ही नहीं उन्होनें घर के दरवाजे पर तलवार मारते हुए उसकी खिड़कियों के कांच भी फोड़ डालें। सूत्रों के मुताबिक तीन बाइको पर सवार बदमाश कॉलोनी में रहने वाले बदमाश साहिल बच्चा के घर पहुंचे थे। लेकिन साहिल बच्चा के नहीं मिलने पर उसके घर के दरवाजे पर तलवारें मार और मोहल्ले में खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर वहां से फरार हो गए। बताया जा रहा है, कि आगे जाकर बदमाशों ने नारियल खेड़ा चौराहे फायरिंग कर दहशत फैलाई और भाग निकले। बदमाशों की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज के आधार पर पुलिस उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है, कि बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद ही वारदात के सही कारणो का खुलासा हो सकेगा। अनुमान है कि तोड़फोड़ करने वाले आरोपियो की यहॉ रहने वाले बदमाश से रंजिश चल रही होगी, जिसके चलते घटना को अंजाम दिया गया है।

## श्रम विधियों का अध्ययन कर श्रम संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए समिति गठित

भोपाल (ए.)। राज्य शासन ने मध्य प्रदेश में लागू श्रम कानूनों के स्थान पर एक समेकित श्रम संहिता बनाने के लिए 5 विधियों के लिए सूक्ष्म अध्ययन करने एवं उनको समेकित करने के उद्देश्य से मसौदा तैयार करने के लिए अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय समिति का गठन किया है।

जनसंपर्क अधिकारी राजेश बैन ने मंगलवार को बताया कि इस समिति में अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव विधि विभाग मुकेश कुमार और प्रियंक मिश्रा कलेक्टर धार को सदस्य जबकि रघुराज राजेन्द्रन सचिव श्रम विभाग को सदस्य-सचिव मनोनीत किया गया है।

उन्होंने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति 30 दिवस में प्रारूप प्रस्तुत करेगी। आदेश में उल्लेख है कि भारत शासन की नवीन चार श्रम संहिताओं से संरेखीकरण एवं बदलती हुई अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास के दृष्टिगत समुचित प्रावधानों का समावेश कर नवीन संहिता बनाई जाए।

## मध्य प्रदेश में 1 अप्रैल से बिजली महंगी, नए वित्तीय वर्ष में लागू होगा नया टैरिफ

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश में नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत आम बिजली उपभोक्ताओं के लिए महंगाई का झटका लेकर आ रही है। एक अप्रैल से प्रदेश में बिजली दरों में औसतन 4.80 प्रतिशत की वृद्धि लागू होने जा रही है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने इस बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद घरेलू, व्यावसायिक और अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं के बिजली बिल में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है। नई टैरिफ व्यवस्था के अनुसार, सरकार और आयोग ने सीमित खपत करने वाले उपभोक्ताओं को राहत देने की कोशिश की है। 100 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को पहले की तरह राहत मिलती रहेगी, जिससे गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर इसका असर कम पड़ेगा। हालांकि, 150 यूनिट से अधिक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के बिल में बढ़ोतरी साफ तौर पर दिखाई देगी।

## मप्र में हाइवे पर सफर होगा महंगाः 1 अप्रैल से टोल टैक्स में 5-10 फीसद बढ़ोतरी



भोपाल, (ए.)। नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ आम लोगों की जेब पर कई तरह से असर पड़ने जा रहा है। जिसमें कि एक प्रकार नेशनल हाईवे भी है, यहां से गुजरना अब पहले से महंगा हो जाएगा। एक अप्रैल से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल टैक्स दरों में करीब पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का फैसला किया है, जोकि देशभर के हाईवे उपयोगकर्ताओं पर लागू होगी। इस फैसले का सीधा असर मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्य पर भी पड़ेगा, जहां हाईवे नेटवर्क तेजी से विकसित हुआ है।उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है जहां नेशनल हाईवे का विस्तृत नेटवर्क है।

## श्रम विधियों का अध्ययन कर श्रम संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए समिति गठित

भोपाल(ए.)। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश में लागू श्रम कानूनों के स्थान पर एक समेकित श्रम संहिता बनाने के लिए 5 विधियों के लिए सूक्ष्म अध्ययन करने एवं उनको समेकित करने के उद्देश्य से मसौदा तैयार करने के लिए अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव विधि विभाग मुकेश कुमार और प्रियंक मिश्रा कलेक्टर धार को सदस्य जबकि रघुराज राजेन्द्रन सचिव श्रम विभाग को सदस्य-सचिव मनोनीत किया गया है।

# जीतू पटवारी का गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा हमला, कहा- किसान दर-दर भटकने को मजबूर

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से एमएसपी पर अनाज खरीदी के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार के राज में आज किसान दर-दर भटकने को मजबूर है। जीतू पटवारी ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सदन में किसानों की आय 8 गुना बढ़ने और एमएसपी पर खरीदी के दावे करते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि सही समय पर एमएसपी का लाभ मिलने वाला किसान लगभग नजर ही नहीं आता। पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश का किसान आज कर्ज में डूबा है। कर्ज की किश्त भरने की तारीख निकल चुकी है, लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण किसान अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि किसानों को बार-बार तारीख दी जा रही है, लेकिन उनके ऋण की तिथियां नहीं बढ़ रही। क्या यही उनकी आय बढ़ाने के वादों की सच्चाई है?

### सत्ता के करीबी मालामाल, किसान परेशान

पटवारी ने कहा कि एक तरफ किसान खरीदी केंद्रों पर

लाइन में खड़ा है और तुलाई के लिए भटक रहा है, वहीं सत्ता से जुड़े लोग पहले ही गेहूं के गोदाम भर चुके हैं। उन्होंने इसे किसानों के साथ खुला अन्याय करार दिया। पटवारी ने कहा कि मोहन सरकार अब वसूली की सरकार बन गई है। तहसील में वसूली, लोन की वसूली और बिजली बिलों की मार से किसान त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी की तारीख लगातार बदलने के बावजूद किसानों के ऋण तिथियों पर कोई राहत नहीं दी जा रहीउन्होंने कहा कि आज किसान के पास केवल दो ही विकल्प बचे हैं- या तो वह अपनी फसल औने-पौने दाम पर बेचकर ऋण की किस्त चुकाए, या फिर बाजार से कर्ज लेकर भुगतान करे। दोनों ही स्थिति में किसान का नुकसान तय है और वह एक बार फिर कर्ज के कुचक्र में फंसता जा रहा है। पटवारी ने कहा कि 31 मार्च की समय-सीमा निकलने के बाद लगभग 40 प्रतिशत किसान डिफॉल्टर होने की कगार पर पहुंच गए हैं। सरकार न तो अपने वादे के अनुसार 2700 प्रति क्विंटल गेहूं का दाम दे रही है और न ही समय पर खरीदी शुरू कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पहले 16 मार्च, फिर 1 अप्रैल और अब 10 अप्रैल की तारीख दी जा रही है। यह तारीख पर तारीख की सरकार बन चुकी है। खरीदी शुरू न होने से मंडियों में किसानों की खुली लूट हो रही है, जो पूरी तरह से किसानों के साथ कुठाराघात है।

### पटवारी ने मांग की हैं कि

तत्काल प्रभाव से MSP पर पारदर्शी और समयबद्ध खरीदी सुनिश्चित की जाए। ,बारदाना संकट और वेयरहाउस में पहले से भरे गेहूं की निष्पक्ष जांच कराई जाए।, किसानों के ऋण भुगतान और किस्तों में तत्काल राहत दी जाए।

## मध्य प्रदेश में 1 अप्रैल से प्रॉपर्टी खरीदना होगा महंगाः गाइडलाइन दरों में 16 फीसद बढ़ोतरी



### रजिस्ट्री और निर्माण लागत पर असर

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश में नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ आम लोगों को बड़ा आर्थिक झटका लगने जा रहा है। एक अप्रैल से प्रदेश में मकान और जमीन खरीदना महंगा हो जाएगा। केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने जिला स्तर से प्राप्त प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए कलेक्टर गाइडलाइन दरों में औसतन 16 प्रतिशत तक वृद्धि का जो फैसला लिया है, वह लागू हो जाएगा। इस निर्णय का सीधा असर प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री पर पड़ेगा, जिससे खरीदारों को अब पहले से अधिक कीमत चुकानी होगी।उल्लेखनीय है कि महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेशभर की गाइडलाइन दरों की विस्तृत समीक्षा की गई थी। जिसमें कि प्रदेश में करीब 1.05 लाख लोकेशन में से 65,300 स्थानों पर गाइडलाइन दरें बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इन दरों का निर्धारण पिछले पांच वर्षों के रजिस्ट्री ट्रेंड, स्थानीय बाजार की परिस्थितियों और जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर किया गया है। कलेक्टर गाइडलाइन दरें किसी भी संपत्ति की न्यूनतम सरकारी कीमत तय करती हैं, जिसके आधार पर स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन शुल्क निर्धारित होता है।ऐसे में इन दरों में वृद्धि का मतलब है कि अब हर प्रॉपर्टी सौदे में खरीदारों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा। इसका असर शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में देखने को मिलेगा, लेकिन तेजी से विकसित हो रहे शहरों और प्राइम लोकेशनों पर इसका प्रभाव ज्यादा पड़ेगा। नई व्यवस्था के तहत केवल जमीन और मकानों की कीमत ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि पक्के मकानों के निर्माण की लागत में भी इजाफा किया गया है। करीब पांच साल बाद निर्माण लागत में संशोधन करते हुए इसे 1000 रुपये प्रति वर्गमीटर तक बढ़ा दिया गया है। दरअसल, इससे उन संपत्तियों की रजिस्ट्री और महंगी हो जाएगी, जिनका मूल्यांकन निर्माण लागत के आधार पर किया जाता है।

# मप्र में इन बैंकों के एटीएम इस्तेमाल करने वालों के लिए एक अप्रैल से बड़ा झटका

### बढ़ेंगे चार्ज, बदले नियमों का सीधा असर लाखों ग्राहकों पर

भोपाल,(निप्र)। नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ आम बैंक ग्राहकों के लिए एक अहम बदलाव होने जा रहा है, जोकि सीधे उनकी रोजमर्रा की बैंकिंग आदतों को प्रभावित करेगा। एक अप्रैल से देश के कई प्रमुख बैंकों ने एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव करने का फैसला किया है। इनमें एचडीएफसी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और बंधन बैंक शामिल हैं। इन बदलावों के बाद अब एटीएम से बार-बार पैसे निकालना पहले की तुलना में महंगा पड़ेगा और ग्राहकों को अपने लेनदेन की बेहतर योजना बनानी होगी, जिसका कि असर मप्र में लाखों लोगों पर पड़ने जा रहा है, जिनका कि इन बैंकों में खाता है।दरअसल, बैंकों ने फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट, कैश निकासी सीमा और अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्क में बदलाव किया है। अब तक ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से हर महीने पांच मुफ्त ट्रांजैक्शन कर सकते थे और यह व्यवस्था जारी रहेगी, लेकिन इसके बाद किए गए हर अतिरिक्त ट्रांजैक्शन पर शुल्क देना अनिवार्य होगा। मेट्रो शहरों में अन्य बैंकों के एटीएम पर तीन और नॉन-मेट्रो शहरों में पांच मुफ्त ट्रांजैक्शन की सीमा तय है, जिसके बाद चार्ज लागू हो जाता है। सबसे बड़ा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो बार-बार छोटे-छोटे अमाउंट निकालते हैं या अलग-अलग एटीएम का इस्तेमाल करते हैं। नए नियमों के तहत फ्री लिमिट खत्म होने के बाद हर ट्रांजैक्शन पर करीब 23 रुपये तक का शुल्क देना होगा, जिस पर जीएसटी अलग से लगेगा। पहले यह शुल्क लगभग 21 रुपये था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। देखने में यह बढ़ोतरी मामूली लग सकती है, लेकिन महीनेभर



में कई बार एटीएम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए यह अतिरिक्त खर्च काफी बढ़ सकता है। इन बदलावों में सबसे दिलचस्प पहलू एचडीएफसी बैंक का है, जिसने यूपीआई आधारित कार्डलेस कैश निकासी (आईसीसीडब्ल्यू) को लेकर नियम बदल दिए हैं। अब तक यूपीआई के जरिए एटीएम से निकाला गया कैश फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट से अलग गिना जाता था, लेकिन एक अप्रैल से यह भी उसी लिमिट में शामिल होगा। यानी अब ग्राहक चाहे डेबिट कार्ड से पैसे निकालें या यूपीआई के जरिए, दोनों ही स्थिति में ट्रांजैक्शन की गिनती एक ही होगी। इससे उन ग्राहकों पर ज्यादा असर पड़ेगा, जो डिजिटल माध्यम से कैश निकालने को प्राथमिकता देते थे। इसके अलावा बैंक ने समय से जुड़ा एक नया नियम भी लागू किया है, जिसके तहत शाम 7:30 बजे के बाद किया गया ट्रांजैक्शन अगले दिन के खाते में जोड़ा जाएगा। महीने के आखिरी दिन किए गए ऐसे ट्रांजैक्शन अगले महीने की फ्री लिमिट में शामिल हो सकते हैं।

## भोपाल में करंट लगने से मजदूर की मौत, काम के दौरान हादसे ने ली जान

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कोहेफिजा क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में एक मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब वह मार्बल घिसाई का काम कर रहा था। घटना ने कार्यस्थलों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक सोनू वर्मा (25) मूल रूप से राजगढ़ का निवासी था और वर्तमान में भोपाल के भानपुर मल्टी में किराए से रह रहा था। वह मार्बल घिसाई मशीन ऑपरेटर के रूप में काम करता था और इन दिनों लालघाटी क्षेत्र में एक साइट पर कार्यरत था। मंगलवार दोपहर वह साइट पर मार्बल की सफाई और घिसाई कर रहा था। इसी दौरान मशीन में लगे कटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आने से उसे तेज करंट का झटका लग गया। हादसा इतना गंभीर था कि वह मौके पर ही बेसुध होकर गिर पड़ा। कुछ समय तक मशीन की आवाज बंद रहने पर साथी मजदूरों को शक हुआ। जब वे मौके पर पहुंचे तो सोनू जमीन पर अचेत अवस्था में पड़ा मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

## लेबर कॉलोनी की झुग्गी तोड़ने पर विवाद, कांग्रेस ने की कार्रवाई रोकने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र स्थित स्टेट लेबर कॉलोनी की झुग्गी बस्ती को हटाने की प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर विवाद गहरा गया है। कांग्रेस पार्टी ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए मंगलवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इसे तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग की है।कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि इस कार्रवाई से सैकड़ों गरीब परिवार बेघर हो जाएंगे, इसलिए




प्रशासन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए बस्ती को तोड़ने की प्रक्रिया पर रोक लगाए। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की सचिव दीप्ति सिंह, महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल, वरिष्ठ नेता जे.पी. धनोपिया, पूर्व कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष साबिस्ता जकी सहित कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि शामिल रहे।ज्ञापन में बताया गया कि लेबर कॉलोनी में रहने वाले परिवार वर्ष 1982 से यहां निवास कर रहे हैं। 29 मार्च 2026 को नगर निगम का अमला पुलिस बल के साथ बुलडोजर लेकर बस्ती हटाने पहुंचा था। आरोप है कि इस दौरान न तो पूर्व सूचना दी गई और न ही वैधानिक प्रक्रिया का पालन किया गया। स्थानीय निवासियों के विरोध के चलते उस दिन कार्रवाई टल गई, लेकिन प्रशासन ने दो दिन के भीतर मकान खाली करने की चेतावनी दी है। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि बस्तीवासियों के पास वैध पट्टे हैं और वे नियमित रूप से कर व बिजली बिल का भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें हटाना अन्यायपूर्ण और अमानवीय है।

## महावीर स्वामी का अलौकिक श्रृंगार

### - माणक-मोती और रत्नों से दमक उठे प्रभु

इंदौर (ए.)। संस्कारधानी इंदौर के हृदय स्थल पिपली बाजार स्थित ऐतिहासिक श्री दादा आदिनाथ (सफेद) मंदिर में महावीर जयंती का पर्व अपार श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर में विराजित श्रमण भगवान महावीर स्वामी का ऐसा दिव्य और भव्य रत्न जड़ित श्रृंगार किया गया कि दर्शनार्थियों की आँखें फटी रह गईं। प्रभु के इस अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, जो देर रात तक अनवरत जारी रहा।

परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी पुंडरीक पलरेचा द्वारा भगवान महावीर स्वामी की विशेष अंग रचना की गई। प्रभु को माणक, मोती और बहुमूल्य रत्नों से निर्मित अत्यंत दुर्लभ और प्राचीन पोशाक धारण कराई गई। इस बारीक कारीगरी वाली अंग रचना को पूर्ण करने में 3 घंटे से भी अधिक का समय लगा। रत्नों के अद्भुत संयोजन और कलात्मकता के कारण गर्भगृह की आभा देखते ही बन रही थी। जैसे ही मंदिर के पट खुले, जय जिनेन्द्र के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत, पुलिस जांच में जुटी

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के कुरावर थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा ग्राम पीलूखेड़ी स्थित यात्री प्रतीक्षालय के सामने हुआ, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी।मृतक की पहचान रतनलाल प्रजापति के रूप में हुई है। हादसा इतना गंभीर था कि उनके सिर में गहरी चोट आई और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इस मामले में मृतक के बेटे सुनील प्रजापति की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है, ताकि आरोपी की जल्द पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जा सके।

## दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में दो युवकों की मौत, तीन घायल

अशोकनगर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में नईसराय-शाढ़ौरा रोड पर ग्राम बीसौर के पास मंगलवार सुबह दो बाइकों की आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।नईसराय थाना प्रभारी मनीष सिंह गुर्जर ने बताया कि कालुआखेड़ी निवासी विशाल जाटव रिश्तेदार सुनील जाटव के साथ बाइक से नईसराय की ओर जा रहा था। बीसौर गांव के सपेरा डेरा निवासी गोविंद नाथ, राजा नाथ और बंटी नाथ के साथ बाइक से अपने डेरे की ओर लौट रहा था। इसी दौरान बीसौर गांव के पास दोनों बाइक आमने-सामने आ गईं। रफ्तार अधिक होने से दोनों ही बाइक अनियंत्रित होकर भिड़ गईं।

# सड़कों पर उतरा वैभव, हीरे-मोतियों से हुआ भगवान महावीर का स्वागत

### ऐतिहासिक रथयात्रा में उमड़ी आस्था : राजवाड़ा से गोराकुंड तक केसरिया सैलाब, रत्नों से हुई प्रभु की अगवानी

इंदौर (ए.)। श्रमण भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव पर इंदौर की सड़कों पर आस्था, भक्ति और अपार वैभव का अनूठा संगम देखने को मिला। श्वेतांबर जैन समाज द्वारा राजवाड़ा से दलाल बाग तक निकाली गई भव्य रथयात्रा में श्रद्धा का ऐसा ज्वार उमड़ा कि पूरा शहर महावीर मय हो गया। विशेष रूप से गोराकुंड और नेमीनाथ चौराहे पर जब प्रभु का रथ पहुँचा, तो वहां का दृश्य अलौकिक था। हजारों की संख्या में श्रद्धालु अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए घंटों प्रतीक्षा करते नजर आए।

रथयात्रा का सबसे भव्य और शाही स्वागत नेमीनाथ चौराहे पर धरणीधर पार्श्वनाथ ट्रस्ट एवं श्री संघ द्वारा किया गया। यहाँ परंपरा और अटूट श्रद्धा का निर्वहन करते हुए पालरेचा और सुराणा परिवार सहित ट्रस्ट के सदस्यों ने भगवान महावीर स्वामी पर हीरे और मोती न्योछावर (बधाया) कर अगवानी की। रत्नों की इस वर्षा और त्रिशला नंदन वीर की, जय बोलो महावीर की के गगनभेदी जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो

उठा। ढोल-ताशों की थाप और लहराते केसरिया ध्वजों के बीच समाज का हर वर्ग भक्ति के रंग में सराबोर दिखा।

आयोजन के दौरान श्री धरणीधर पार्श्वनाथ ट्रस्ट के शान्तु पालरेचा, प्रदीप बंबोरी, पुंडरीक पलरेचा, दीपक सुराणा और दिलीप खिमेसरा ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने महासंघ प्रमुख विजय मेहता, स्वप्निल कोठारी, राजकुमार सुराणा और प्रकाश भटेवरा जैसे वरिष्ठ समाजसेवियों का आत्मीय स्वागत किया। चांदी के भव्य रथ पर विराजित प्रभु महावीर के दर्शन के लिए मार्ग में जगह-जगह स्वागत मंच लगाए गए थे, जहाँ से पुष्प वर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया गया।

पूरी रथयात्रा के दौरान महिलाओं और युवाओं की टोलियां भजन गाते और नृत्य करते हुए चल रही थीं। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। पूरी यात्रा के दौरान अद्भुत अनुशासन देखने को मिला। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महावीर जयंती का यह उत्सव न केवल जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि यह पूरे विश्व को शांति, प्रेम और अहिंसा का संदेश देने का एक सशक्त माध्यम भी बना है। देर शाम तक चलने वाली इस यात्रा का समापन दलाल बाग में धर्मसभा के साथ हुआ।

## अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्यायें, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर (ए.)। आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 7 ट्रिपल आईटीएम कॉलेज के पीछे मंगल एन्कलेव कॉलोनी निवासी कृष्ण सिकरवार ने बताया कि भू माफिया द्वारा कॉलोनी में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग कर रहा है, आवेदक ने उचित कार्यवाही के संबंध में, वार्ड 18 आदित्यपुरम के रहवासियों ने आवेदन देकर बताया कि आदित्यपुरम कॉलोनी में बरसात के समय 3 से 4 फिट पानी सड़क पर भर जाता है, जिस कारण आवागमन में परेशानी होती है, आवेदकों ने समस्या के उचित निदान हेतु, वार्ड 35 बावन पायगा नई सड़क निवासी दिनेश कुमार एवं रहवासियों ने कॉलोनी में अमृत योजनातंर्गत पानी की लाइन डलवाये जाने के संबंध सहित अन्य आवेदनों पर सुनवाई करते हुए अपर आयुक्त ने कुछ समस्याओ का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

## महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, बिजली दरें वापस लेने की मांग

मैहर(ए.)। मध्यप्रदेश के मैहर में बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में एसडीएम कार्यालय के बाहर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर, बिजली दरों और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे और सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया। इस दौरान आमजन पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर चिंता व्यक्त की गई। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा, जिसे राज्यपाल के नाम प्रेषित किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने कहा कि मौजूदा नीतियों के चलते आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी और अनियमित उपलब्धता को आम परिवारों के लिए गंभीर समस्या बताया। साथ ही बिजली दरों और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि को किसानों, श्रमिकों और आम नागरिकों के लिए भारी बोझ बताया।

## रतलाम में अंतर्राज्यीय ड्रग नेटवर्क पर करारा प्रहार

### एमडीएमए निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़, 500 ग्राम एमडी व ब्राउन शुगर सहित आरोपी गिरफ्तार

रतलाम (ए.)। श्रमण पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त एवं सतत कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में रतलाम जिले में विगत दो दिनों में पुलिस द्वारा एक के बाद एक प्रभावी कार्रवाई करते हुए न केवल ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया, बल्कि एक संगठित सिंथेटिक ड्रग निर्माण नेटवर्क का भी भंडाफोड़ किया गया है, जो प्रदेश में मादक पदार्थों के विरुद्ध चल रही मुहिम की बड़ी सफलता है।यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार के निर्देशन में थाना रिंगनोद पुलिस तथा थाना पिपलोदा पुलिस द्वारा की गई हैं।31 मार्च को थाना पिपलोदा क्षेत्र के ग्राम बोरखेड़ा में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध एमडी (MDMA) सिंथेटिक ड्रग निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। एक पोल्ट्री फार्म की आड़ में संचालित इस अवैध लैब पर दबिश देकर पुलिस ने लगभग 175 किलोग्राम रासायनिक पदार्थ, 200 ग्राम तैयार एमडीएमए, गैस सिलेंडर, हीट गन, स्टोव एवं अन्य ड्रग निर्माण सहित 24 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

## व्यापार समाचार

# दुनिया में बजा भारत का डंका, इस ग्लोबल मामले में 56प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बना नंबर वन

नई दिल्ली (आरएनएस)। नागोया प्रोटोकॉल के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में भारत ने दुनिया भर में अपना परचम लहरा दिया है। भारत अब वैश्विक स्तर पर इस मामले में अग्रणी देश बन गया है। एबीएस क्लियरिंग-हाउस के जारी किए गए ताजा आंकड़ों ने यह साबित कर दिया है कि दुनिया भर में जारी किए गए सभी प्रमाणपत्रों में से 56 प्रतिशत से अधिक अकेले भारत ने जारी किए हैं। भारत ने कुल 6,311 वैश्विक प्रमाणपत्रों में से 3,561 आईआरसीसी जारी कर इस प्रोटोकॉल को लागू करने में बाकी सभी बड़े देशों को काफी पीछे छोड़ दिया है।

### फ्रांस और स्पेन जैसे विकसित देश भी छूटे पीछे

पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने वाले इस वैश्विक मंच यानी एबीएस क्लियरिंग-हाउस पर कुल 142 देश पंजीकृत हैं। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि इनमें से अब तक केवल 34 देशों ने ही आईआरसीसी जारी करने में कामयाबी हासिल की है। इस सूची में भारत पहले पायदान पर है, जिसके बाद दूसरे नंबर पर फ्रांस है जिसने केवल 964 प्रमाणपत्र जारी किए हैं। इसके बाद स्पेन (320), अर्जेंटीना (257), पनामा (156) और केन्या (144) का नंबर आता है। यह शानदार आंकड़ा जैविक संसाधनों और उससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान के पारदर्शी उपयोग के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता का सबसे बड़ा सबूत है।

### आखिर क्या है नागोया प्रोटोकॉल और आईआरसीसी ?

नागोया प्रोटोकॉल के कड़े नियमों के तहत, उन सभी देशों को आईआरसीसी जारी करना अनिवार्य होता है जो अपने आनुवंशिक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान तक पहुंच प्रदान करते हैं। ये प्रमाणपत्र इस बात का एक आधिकारिक और पुख्ता प्रमाण होते हैं कि संसाधनों के उपयोग के लिए पूर्व सूचित सहमति ले ली गई है और उपयोगकर्ता व प्रदाता के बीच आपसी शर्तों पर पूरी तरह से सहमति बन गई है। सहमति बनने के बाद इस पूरे विवरण को एबीएस क्लियरिंग-हाउस के पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाता है, जिससे संसाधनों के उपयोग से लेकर उसके कमर्शियल एप्लीकेशन तक पूरी नजर रखी जा सके।

### भारत ने कैसे हासिल किया यह बड़ा मुकाम ?

वैश्विक स्तर पर भारत की यह नंबर वन पोजीशन जैव विविधता अधिनियम, 2002 के तहत बनाए गए इसके प्रभावी ढांचे को दर्शाती है। देश में इसे केंद्रीय स्तर पर राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, राज्य स्तर पर राज्य बोर्डों और स्थानीय स्तर पर प्रबंधन समितियों के जरिए शानदार तरीके से लागू किया गया है। भारत की इसी सुव्यवस्थित प्रक्रिया और मजबूत तंत्र ने न सिर्फ आवेदनों को तेजी से निपटाने में मदद की है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सख्ती से पालन भी सुनिश्चित किया है। भारत की यह ऐतिहासिक उपलब्धि वैश्विक पर्यावरण समझौतों और जैव विविधता संरक्षण में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उसकी स्थिति को और ज्यादा मजबूत बनाती है।

## *कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार*

*नई दिल्ली (ए.)। कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डालर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई और बड़ी मात्रा में गैस टैंकरों के लिए अहम है। सप्लाई में बाधा के कारण बाजार में तेज उछाल देखने को मिला। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक उछाल है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 58 प्रतिशत बढ़ा, जो मई 2020 के बाद सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई बाधा कीमतों को और ऊँचा रख सकती है।*

## 1 अप्रैल से कबाड़ हो जाएंगे ये सीसीटीवी कैमरे, लागू हो रहे हैं सख्त नियम

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए एक बेहद अहम और बड़ा फैसला लिया है। कल यानी 1 अप्रैल से देश भर में चीनी मूल के इंटरनेट कनेक्टेड सीसीटीवी कैमरों की बिक्री पर सख्त पाबंदियां लागू होने जा रही हैं। सरकार के इस कदम के बाद अब बिना कड़े सुरक्षा मानकों को पूरा किए कोई भी कंपनी अपने कैमरे भारतीय बाजार में नहीं बेच पाएगी। यह फैसला सीधे तौर पर देश की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखने के लिए लिया गया है।

**कैमरा कंपनियों को माननी होंगी ये सख्त शर्तें**

नए सरकारी नियमों के अनुसार, अब भारत में सीसीटीवी कैमरा बनाने और बेचने वाली सभी कंपनियों को अपने प्रोडक्ट्स का पूरा डेटा सरकार के साथ साझा करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही कंपनियों को यह भी पुख्ता करना होगा कि इन डिवाइस से रिकॉर्ड होने वाला कोई भी डेटा किसी भी हाल में भारत के बाहर ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। अगर कोई कंपनी इन सख्त नियमों की अनदेखी करती है, तो उसके उत्पादों पर देश में पूरी तरह से बैन लगाया जा सकता है।

**हिकविजन और डाहुआ जैसी चीनी कंपनियों की बढ़ेगी मुश्किलें**

सरकार के इस नए फरमान से विशेष रूप से चीन की प्रमुख कैमरा कंपनियों की नींद उड़ गई है। हिकविजन और डाहुआ जैसे बड़े चीनी ब्रांड्स के भारतीय बाजार पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ने की संभावना है, क्योंकि अब इनके अधिकतर प्रोडक्ट्स नए और कड़े सेफ्टी स्टैंडर्ड्स के दायरे में आ जाएंगे। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब सभी सीसीटीवी उपकरणों को सरकारी लैब से अनिवार्य रूप से टेस्टिंग करवानी होगी और सर्टिफिकेशन लेना होगा। इसके साथ ही डेटा सुरक्षा, लोकल स्टोरेज और हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर की बारीक जानकारी भी सरकार को देनी होगी।

## बस एक छोटी सी गलती और रुक जाएंगे बैंक के सारे काम, 1 अप्रैल से पहले फटाफट निपटा लें ये काम

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आप भी पैन कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो 1 अप्रैल से होने वाला एक बड़ा बदलाव आपकी रातों की नींद उड़ा सकता है। सरकार ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अगर आपने समय रहते अपने पैन और आधार कार्ड की डिटेल्स को क्रॉस-चेक नहीं किया, तो आपका पैन कार्ड 'इनऑपरेटिव' यानी पूरी तरह से बेकार हो जाएगा। इसका सीधा मतलब यह है कि पैन कार्ड जेब में होने के बावजूद आप बैंकिंग से लेकर आईटीआर (ITR) फाइलिंग तक का कोई भी वित्तीय काम नहीं कर पाएंगे।

**सिर्फ लिंक होना काफी नहीं, स्पेलिंग मैच होना भी है जरूरी**

अक्सर लोग यह सोचकर निश्चिंत हो जाते हैं कि उन्होंने अपना पैन और आधार लिंक करवा लिया है, लेकिन अब सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने नियमों को सख्त कर दिया है। अगर आपके आधार और पैन कार्ड में नाम की स्पेलिंग में जरा सा भी अंतर है, तो सिस्टम उसे सही नहीं मानेगा। महज एक छोटी सी स्पेलिंग मिस्टेक भी आपके पैन कार्ड को अस्थायी रूप से ब्लॉक करवा सकती है, जिसके बाद आपको भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपने 1 अप्रैल से पहले नाम की यह गलती ठीक नहीं की, तो आपको रोजमर्रा के कई जरूरी कामों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

## पेट्रोल पंप पर सिर्फ 'जीरो' देखकर हो रहे हैं खुश? ऐसे कट रही है आपकी जेब; फ्यूल भराने से पहले जान लें ये सीक्रेट

नई दिल्ली (आरएनएस)। जब भी हम अपनी कार या बाइक में पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए किसी पेट्रोल पंप पर जाते हैं, तो वहां मौजूद कर्मचारी सबसे पहले हमें मीटर में 'जीरो' चेक करने के लिए कहता है। हम भी '0' देखकर पूरी तरह संतुष्ट हो जाते हैं कि हमारे वाहन में पूरा फ्यूल भर गया है और पैसे देकर वहां से निकल जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जहां आपकी नजरें सिर्फ जीरो देखने में अटकी रहती हैं, वहीं दूसरी तरफ पेट्रोल पंप वाले आपकी जेब काटने का बड़ा खेल कर देते हैं और आपको इसकी भनक तक नहीं लगती। आइए आपको बताते हैं कि आखिर यह खेल कैसे होता है और अगली बार पेट्रोल पंप जाने पर आपको क्या सावधानी बरतनी चाहिए।

**सिर्फ 'जीरो' नहीं, इस मीटर पर भी रखनी होगी पैनी नजर**

पेट्रोल पंप पर ग्राहकों को चूना लगाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं। सोशल मीडिया पर भी आए दिन इससे जुड़े वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिनमें पेट्रोल पंप कर्मचारी खुद इस धांधली की सच्चाई बताते नजर आते हैं। दरअसल, असली खेल जीरो के मीटर में नहीं, बल्कि डेंसिटी (Density) के आंकड़े में होता है। आपने भी गौर किया होगा कि पेट्रोल पंप कर्मी आपको हमेशा जीरो देखने के लिए तो कहता है, लेकिन कभी डेंसिटी मीटर पर नजर डालने के लिए नहीं बोलता। डेंसिटी मीटर पर प्रदर्शित होने वाले आंकड़ों में हेरफेर करके ही ग्राहक को खुली आंखों के सामने ठगा जाता है।

**आखिर क्या होता है डेंसिटी मीटर और क्यों है यह जरूरी ?**

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डेंसिटी मीटर होता क्या है। यह आपके वाहन में डाले जाने वाले पेट्रोल या डीजल की शुद्धता का सबसे बड़ा पैमाना होता है। यह बताता है कि जो फ्यूल आप डलवा रहे हैं वह कितना शुद्ध है या फिर उसमें मिलावट करके आपकी गाड़ी के इंजन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। सरकार की तरफ से इसके लिए मानक तय किए गए हैं।

## केंद्र ने छोटी बचत योजनाओं में अप्रैल-जून के लिए ब्याज दरों को स्थिर रखा

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सोमवार को छोटी बचत योजनाओं पर अप्रैल-जून अवधि के लिए ब्याज दरों को स्थिर रखने का ऐलान किया है। इस फैसले से पीपीएफ, एनएससी और केवीपी जैसे योजनाओं पर ब्याज दर आने वाली तिमाही में यथावत बनी रहेगी। यह लगातार आठवीं तिमाही है, जब केंद्र सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को स्थिर रखा है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा,वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (1 अप्रैल, 2026 से शुरू होकर 30 जून, 2026 को समाप्त) के लिए विभिन्न छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (1 जनवरी, 2026 से 31 मार्च, 2026) के लिए अधिसूचित दरों के समान ही रहेंगी।अधिसूचना के अनुसार, सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलती रहेगी। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत और किसान विकास पत्र (केवीपी) पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत रहेगी। वहीं, पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट पर ब्याज दर 4 प्रतिशत और तीन वर्ष के टर्म डिपॉजिट पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रहेगी। अप्रैल-जून अवधि के लिए नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत रहेगी।

# सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

## हर क्षेत्र में निर्यात गिरा

इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को छोड़ दें, तो बाकी लगभग हर क्षेत्र में निर्यात गिरा है। ऐसे में उत्पादन संबंधी हालात का गंभीर होना लाजिमी है। फरवरी में युवा बेरोजगारी की दर चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गई। फरवरी में भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में लगभग दो गुना हो गया। जनवरी से तुलना करें, तो व्यापार घाटे में लगभग सात बिलियन डॉलर गिरावट आई, मगर ऐसा निर्यात के साथ-साथ आयात में भी बड़ी गिरावट के कारण हुआ। जिन देशों में भारतीय वस्तुओं की मांग गिरी, उनमें अमेरिका भी है। यानी रूसी तेल आयात संबंधी टैरिफ हटाने और तथाकथित जैसे को तैसा आयात शुल्क 25 से 18 प्रतिशत करने के ट्रंप प्रशासन के फैसले से भारतीय कारोबार को कोई राहत नहीं मिली। ऐसा संभवत: इसलिए हुआ कि अन्य देशों को मिली राहत ने उनके उत्पादों को भारतीय वस्तुओं की तुलना में अधिक सस्ता बना दिया है। तो जनवरी की तुलना में फरवरी में अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात 12.9 प्रतिशत गिर गया। दरअसल, चीन को छोड़कर तमाम महत्त्वपूर्ण बाजारों के लिए भारतीय निर्यात में गिरावट आई। सिर्फ चीन के लिए भारतीय निर्यात 32.4 प्रतिशत बढ़ा, मगर वहां से आयात भी 30.5 फीसदी बढ़ गया। इस तरह चीन से पहले जारी भारी व्यापार घाटे को पाटने में ज्यादा मदद नहीं मिली। पिछले अप्रैल से इस वर्ष फरवरी तक चीन से व्यापार घाटा 102 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है, जबकि इसके पहले के वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 99 बिलियन डॉलर था। तो कुल मिलाकर विदेश व्यापार में भारत की चिंता बढ़ती जा रही है। इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को छोड़ दें, तो बाकी लगभग हर क्षेत्र में निर्यात गिर रहा है। स्विट्जरलैंड, यूएई आदि जैसे जिन देशों से मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं, उनसे व्यापार घाटा और बढ़ा है। ऐसे में देश के अंदर उत्पादन की स्थितियों का गंभीर होना लाजिमी है। फरवरी में युवा बेरोजगारी की दर चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गई, जबकि सरकारी परिभाषा में जिस युवा को हफ्ते में घंटे भर का भी काम मिल जाए, उसे बेरोजगार नहीं माना जाता। ऐसे में असल बेरोजगारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, ज्यादातर हालिया आर्थिक आंकड़े बढ़ रही मुसीबत का संकेत दे रहे हैं। ये आंकड़े गुलाबी सूरत के सरकारी कथानक में लगातार छिद्र कर रहे हैं।

# मूर्ख दिवसः हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

**योगेश कुमार गोयल**

(मूर्ख दिवस (1 अप्रैल) पर विशेष)

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी

मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है।

हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंतत: कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# (चिंतन-मनन) अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्राय: हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो।इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

# चुनाव तक तेल की राहत-नीति या राजनीति?

सौरभ वार्ष्णेय

देश में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में हालिया राहत ने आम जनता को कुछ हद तक राहत दी है। खासकर जब पांच राज्यों में चुनाव नजदीक हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह राहत दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है या फिर चुनावी राजनीति की एक सोची-समझी चाल। जहां दूसरे देशों में तेल की कीमतों में आग लगी हुई हैं। ऐसे में भारत जैसे देश में राहत कब तक ? यानी आप यह न समझें महंगाई काबू है। महंगाई धीरे धीरे बढ़ रही है।

भारत में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों, टैक्स ढांचे और सरकारी नीतियों पर निर्भर करती हैं। जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव होता है, तो उसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सरकार द्वारा टैक्स में कटौती या कंपनियों को कीमतें स्थिर रखने के निर्देश देना, तत्काल राहत तो देता है, लेकिन इसके पीछे की मंशा पर बहस होना भी स्वाभाविक है।चुनाव के समय अक्सर सरकारें जनहित में फैसले लेती हैं, लेकिन इन फैसलों का समय उन्हें राजनीतिक रंग दे देता है। तेल की कीमतों में कमी से महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलती है, परिवहन लागत घटती है और इसका सकारात्मक असर रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों पर भी पड़ता है। इससे मतदाताओं के बीच सरकार की छवि मजबूत होती है।हालांकि, सवाल यह भी है कि क्या यह राहत स्थायी है? चुनाव खत्म होने के बाद क्या फिर से कीमतों में बढ़ोतरी होगी? यदि ऐसा होता है, तो यह साफ संकेत होगा कि यह कदम केवल चुनावी लाभ के लिए उठाया गया था। दूसरी ओर, यदि सरकार लंबे समय तक संतुलित कीमतें बनाए रखती है, तो इसे एक ठोस आर्थिक नीति कहा जा सकता है। देश की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह केवल तात्कालिक राहत से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि स्थायी समाधान चाहती है। सरकार के लिए चुनौती यही है कि वह चुनावी लाभ से ऊपर उठकर ऐसी नीतियां बनाए, जो दीर्घकाल में आर्थिक स्थिरता और जनकल्याण दोनों सुनिश्चित करें। तेल की कीमतों में यह राहत चाहे जिस भी कारण से आई हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि जनता अब केवल राहत नहीं, बल्कि पारदर्शिता और स्थायित्व की अपेक्षा रखती है।देश में जब-जब चुनावी मौसम आता है, तब-तब महंगाई का मुद्दा भी नई धार के साथ सामने खड़ा हो जाता है। इस समय पाँच राज्यों में चुनावी हलचल के बीच आम जनता की सबसे बड़ी चिंता—महंगाई—फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में है। रसोई गैस से लेकर पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं तक, हर चीज़ की कीमतों ने आम आदमी के बजट को झकझोर कर रख दिया है।चुनावों के दौरान अक्सर सरकारें राहत के कुछ कदम उठाती हैं—कभी ईंधन के दामों में अस्थायी कमी, तो कभी सब्सिडी या योजनाओं का ऐलान। लेकिन यह राहत अक्सर चुनाव तक ही सीमित रहती है। सवाल यह है कि क्या महंगाई केवल चुनावी मुद्दा बनकर रह जाएगी, या इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस प्रयास होंगे? विपक्ष महंगाई को सरकार की विफलता बताकर जनता के बीच जा रहा है, तो सत्तापक्ष वैश्विक कारणों—जैसे कच्चे तेल की कीमतें, अंतरराष्ट्रीय संकट—का हवाला देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश करता है। सच यह है कि महंगाई पर दोनों ही पक्षों की राजनीति के बीच आम आदमी कहीं दब जाता है। महंगाई का सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर पड़ता है। बढ़ती कीमतों के कारण न केवल उनकी क्रय शक्ति घटती है, बल्कि जीवन स्तर पर भी असर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जहाँ आय के साधन सीमित हैं। जरूरत इस बात की है कि सरकारें अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान दें। कृषि क्षेत्र को मजबूत करना, आपूर्ति श्रृंखला को सुधारना और रोजगार के अवसर बढ़ाना—ये कुछ ऐसे कदम हैं जो महंगाई पर काबू पाने में सहायक हो सकते हैं। देश में चुनावी राजनीति से ऊपर उठकर महंगाई जैसे गंभीर मुद्दे पर सर्वदलीय सहमति बनानी होगी। क्योंकि यह केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ा सवाल है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन महंगाई पर स्थायी नियंत्रण ही असली राजनीतिक सफलता का पैमाना होना चाहिए।

# संकट की घड़ी में मददगार है साथ हिन्दुस्तान का

**मनोज कुमार अग्रवाल/**

संकट भरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया में भारत अपने मित्र पडोसी देशों के लिए संकटमोचक बड़े भाई की भूमिका निबाह रहा है। तनाव के इस दौर में, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है, ऐसे समय में भारत ने एक बार फिर अपनी परंपरागत नीति विश्व एक परिवार के आदर्श को व्यवहार में उतारकर दिखाया है। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच दुनिया भर के देश में तेल और एलपीजी गैस की किल्लत से दो चार हो रहे हैं. हालांकि, भारत जैसे मित्र देशों के लिए ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद नहीं किया है. भारत में लगातार तेल और एलपीजी की आपूर्ति हो रही है. अभी तक कई जहाज भारत पहुंच भी चुके हैं. लेकिन भारत के कई पड़ोसी देशों में हालात बहुत चिंताजनक है. श्रीलंका भी इन दिनों तेल की आपूर्ति को लेकर चिंतित है. ऐसी स्थिति में श्रीलंका की मदद भारत कर रहा है। आपको बता दें कि युद्ध और होरमुज स्टेट में बढ़ते तनाव के कारण तेल और एलपीजी की सप्लाई बाधित हो रही है, जिससे दुनिया के कई देश गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। इस वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत ने अपने पड़ोसी देशों के लिए एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में भूमिका निभाई है। हालांकि भारत का यह रवैया कोई नया नहीं है। सदियों से भारतीय सभ्यता सर्वे भवन्तु सुखिन: जैसे सिद्धांतों पर अमल की रही है। आज जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट रही हैं और देश अपने-अपने हितों में सिमटते नजर आ रहे हैं, भारत ने इसके विपरीत एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है, जहां केवल राष्ट्रीय हित ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और सहयोग भी प्राथमिकता में हैं।

आपको पता है कि मौजूदा घटनाक्रम में श्रीलंका को भारत द्वारा 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति इसी सोच का प्रमाण है। इसमें 20,000 मीट्रिक टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल शामिल है। यह आपूर्ति ऐसे समय में की गई, जब श्रीलंका पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति बाधित होने के कारण गंभीर संकट में था। श्रीलंका के राष्ट्रपति कुमारा दिसानायके और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत के बाद यह सहायता तुरंत भेजी गई। यह केवल एक कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और सहयोग का प्रतीक है। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर और श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ के बीच भी बातचीत हुई थी, जिसने इस सहयोग को और मजबूत आधार दिया। भारत ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के माध्यम से यह आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे श्रीलंका में ऊर्जा संकट को तत्काल राहत मिली।

मेष राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर को लेकर आज आप थोड़ा चिंतित हो सकते हैं , लेकिन अपनी सूझ बूझ से काम करने से आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा। आप किसी पारिवारिक समारोह में जायेंगे।

वृष राशि: आज आपका स्वभाव सकारात्मक रहेगा। मन शांत रहेगा। आज मौसम चेंज होने के कारण तबियत थोड़ी खराब हो सकती है। नियमित योग से व्यक्तित्व में निखार आएगा। इस राशि के बिजनेस मैन के लिए आज का दिन आर्थिक रूप से बढ़िया रहेगा। हो सके तो उधार के लेन-देन से आज दूर रहें। आज फीजूल की बातों पर घर के किसी सदस्य से बहस करने से बचें। कार्य क्षेत्र में आपकी तरक्की होने की सम्भावना है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नये सामान की खरीदारी करेंगे। आज आप जीवनसाथी की तरक्की से खुश होंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं। आज आप नया व्यापार शुरू करने का मन बनायेंगे। अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आज आपको परफोर्मेंस करने कामौका मिलेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके काम की तारीफ़ होगी।आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी। दाम्पत्य रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। कॉमर्स फील्ड के स्टूडेंट्स के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है, उनको नया कामर्सियल प्रोजेक्ट करने कों मिलेगा।

सिंह राशि: आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आप जीवनसाथी के सहयोग से घरेलू कार्य पूरा करने में सफल होंगे। आपको बिजनेस में माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की उम्मीद है,जिसकी आपको हेल्प करने का अवसर मिलेगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको नयी जानकारी मिलेगी और यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

तुला राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आपका किसी यात्रा पर जाने का योग बन रहा है ,जिससे आपको लाभ भी होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। अध्यात्म की तरफ आपका रुझान अधिक रहेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिये समान्य रहने वाला है। आज रुके काम में किसी की मदद मिलने से काम पूरा हो जायेगा लेकिन आपको यह देखकर अच्छा नहीं लगेगा कि आपके काम में किसी अन्य व्यक्ति का हस्तक्षेप हो। इसलिए अपना काम करते समय मन एकाग्र रखेंगे तो काम आसानी से व बिना किसी बाधा के पूरा हो जायेगा। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा स्पोर्ट करेंगे। पूंजी के उचित निवेश के लिए आपको थोड़ी बहुत टेंशन हो सकती है। सिनेमा जगत के कलाकारों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। आज खुद की गलती की जिम्मेदारी न लेने से आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। समस्याओं के लिए दूसरों लोगों को जिम्मेदार मानने से आपके रिश्तों में दरार आ सकती है। खुद में सुधार लाएं। आमतौर पर आप किसी बात का बुरा नहीं मानेंगे।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आज आपके कार्य स्थल पर काम ज्यादा रहेगा। आपका किसी के प्रति अधिक आत्मविश्वास से नुकसान हो सकता है। इससे आपके पारिवारिक संबंध खराब हो सकते हैं।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज कारोबार सम्बन्धी योजनाओं को अपरिचित लोगों के सामने जाहिर न करें, कोई इसकी नकल कर सकता है इससे आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। पुरानी प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी बिजनेस में अच्छी डील होगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। मानसिक रूप से जिन लोगों के साथ परेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा और मैडिटेशन को रूटीन में अपनाएंगे।

# ईरान बनाम इस्त्रायल-अमेरिकाः पाक की हांडी में सुलह की खिचड़ी

**डॉ. सुधीर सक्सेना**

अपनी सामरिक गणित के फेल हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यपूर्व के दिनोंदिन पेचीदा और विकराल होते जाते बखेड़े से पाँव बाहर खींचने के फेर में हैं। दिलचस्प तौर पर इसके लिये उन्होंने अपने पिट्ठू पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष असीम मुनीर को चुना है और फिलहाल इस्लामाबाद में दोनों जंगजू पक्षों के दरम्यां सुलह की बातचीत चल रही है। इस्लामाबाद में चूल्हे पर हांडी चढ़ा दी गई है। बिला शक अमेरिका किसी भी विधि इस तरह पाँव पीछे खींचना चाहता है कि उसकी नाक बची रहे और उसके शर्मनाक और अपमानजनक अभियानों की फेहरिस्त में वियेतनाम और अफगानिस्तान के बाद ईरान का नाम न जुड़े। ट्रंप के पांच दिनों के इकतरफा युद्धविराम और ईरानी ठिकाने पर ताजा हमले के लिये इस्त्रायल को डंपटने के पीछे यही भेद छिपा है।

इस बात में शक नहीं है कि ट्रंप अपने ही खब्त की गिरफ्त में हैं। वह कब क्या कर बैठेगें, वह खुद नहीं जानते। उनके मन में वैश्विक मर्यादाओं और राष्ट्रों की संप्रभता के प्रति कोई सम्मान नहीं है। निस्संदेह, उनकी मुहिम गैरजरूरी थी और नितांत विफल रही है। 28 फरवरी को छेड़ी गई इस मुहिम के पहले ही दौर में धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनेई को उनकी मांद में मार गिराने तक सब ठीक था, लेकिन उसके बाद ट्रंप के सारे पांसे और अंदाजे गलत निकले। मोज्तबा खामेनेई पर वार और लारीजानी की हत्या व्हाइट हाउस की भूल गलती सिद्ध हुई। विज्ञान में स्नातक और इमैनुएल कांट के दर्शन पर पीएचडी किये लारीजानी सूझबूझ भरे ऐसे परिपक्व और प्रभावशाली नेता थे, जिनसे बातचीत की जा सकती थी, लेकिन उनकी हत्या के बाद नेतृत्व इस्लामी गार्डों की उस छितरी हुई टोली के हाथ में चला गया, जिसमें कोई ऐसा चेहरा नहीं था, जिसका सैन्य बल और अवाम में रसूख हैं। इस बीच ईरान ने अड़ोस-पड़ोस के अमेरिकी पिट्ठुओं बहरीन, सऊदी, अरब, अरब अमीरात, कतर और ओमान तथा सुदूर दियागोगार्सिया में अड्डों पर प्रहार कर अपनी अचूक मारक क्षमता का बखूबी एहसास करा दिया। दूसरे इस्त्रायल के आयरन-डोम यानि लौह गुंबद या छतरी का बहुप्रचारित और गालबजाऊ मिथ भ्रांति सिद्ध हुआ। मध्यपूर्व के मुल्कों के निर्लवण-संयंत्र ईरान की सीधी जद में थे और होर्मुज जलडमरूमध्य का तुरूप का पत्ता ईरान की जेब में। तीन हफ्ता से ज्यादा की जंग ने तस्दीक कर दी थी कि ईरान घुटने नहीं टेकेगा और उसे तबाही गवारा है, मगर शिकस्त नहीं। यह भी साफ हो गया कि न तो कोई ईरानी गुल्लू बनने को तैयार है और न ही आर्य मेहर रजाशाह पहलवी के साहेबजादे की तेहरान वापसी में ईरान अवाम की कोई रूचि है। उलटे जियोनवादी आक्रमण ने ईरानी अवाम को मुसीबातें और दमन के बावजूद इस्लामी सत्ता के पक्ष में एकजुट कर दिया।

ये ही वे सन्दर्भ हैं, जिनके चलते ट्रंप ने पहले तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगान को टटोला। बात बनी नहीं तो उनकी नज़र पाकिस्तान के सीडीसी मुनीर पर गयी। मुनीर ने एर्दोगान से बात की और फिर तार जुड़े काहिरा यानि मिस्र से। सौ करोड़ डॉलर की बोली लगी। हामी के बाद ईरानी मजलिस के स्पीकर गालीबफ पर मध्यस्थों की नजर गयी। इस बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने तईं सक्रिय थे। उन्होंने यूएई, कतर और ईरान से संपर्क साधा। दूरभाष पर मैराथन चर्चा हुई। पुतिन ने स्पष्ट कर दिया कि रूस ईरान को तबाही के रास्ते पर नहीं छोड़ सकता, क्योंकि वह उसका रणनीति साथी और मित्र है। इस बीच रूसी विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोव के इस आशय के बयान ने अमेरिका-इस्त्रायल की पेशानी पर सलें डाल दीं कि वे ईरान की मिसाइल समेत सामरिक क्षमता को कमतर न आंके। इस बात की तस्दीक हो गई है कि लावरोव ने ईरानी विदेश मंत्री अरागाची से फोन पर लंबी बातचीत की। बहरहाल, घड़ी के कांटे ऐसे घूमे कि आईआरजीसी की रजामंदी से गालीबफ को इस्लामाबाद लाया गया। ताबड़तोड़ दो दौर की बातचीत हुई। मेज के दूसरी ओर ट्रंप के दामाद कुश्नर और विटकोफ बैठे तो गालीबफ भड़क गये। उन्होंने दोनों को दफा करने की दो टूक में संकोचनहीं किया। उन्होंने आगे की वार्ता के लिए वांस का नाम सुझाया। वांस यानि ट्रंप के डिप्टी जेडी वांस। जाहिर हे कि तेल अवीव और वाशिंगटन को वांस का नाम रास नहीं आया, क्योंकि वांस अपेक्षत: नरम हैं।

फिलवक्त काठ की हांडी चूल्हे पर है और अमेरिकी तैयारी भी जारी है। अतिरिक्त मरीन भेजे जा रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्री अरागाची को दरकिनार करने के अपने निहितार्थ है। ईरान हर्जाने और अनाक्रमण संधि पर मान सकता है। ट्रंप सांसत में हैं। 13 हजार करोड़ रोजाना फूंक रहे ट्रंप ने 20 लाख करोड़ की कांग्रेस से डिमांड की है। यदि सुलह होती है तो भय में गोंते खा रहे अमेरिका के पिट्ठू मुल्क चैन की सांस लेंगे। ईरान पाक नगीच आये तो बलूचिस्तान का मसला ठंडा होगा। मिस्र शरणार्थियों से बचेगा और तुर्किये अनेक बवाल से बड़ी बात की पाकिस्तान को अपनी पीठ थपथपाने और शेखी बघरने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोज्तबा खामेनेई का इलाज मसक्का में चल रहा है। दिल्ली में ईरान के राजदूत डॉ. हकीम इलाही भारत की जनता के बेइंतहा समर्थन से भावविगलित हैं। दिल्ली में शोक सहानुभूति और एकजुटता के इजहार के लिए ईरानी दूतावास के सामने जिस तरह लंबी कतारे लगीं, उसने भारत और ईरान के प्राचीन रिश्तों पर मोहर लगा दी।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 01 अप्रैल 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

# लोकसभा में अमित शाह की हुंकार, ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, जो हथियार उठाएगा, उसका हिसाब चुकता होगा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के प्रयासों पर चल रही चर्चा के दौरान सदन को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि सबसे पहले मैं रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र, जिसमें 12 राज्य और 70 प्रतिशत का भूभाग शामिल थे, उसमें रह रही जनसंख्या की तरफ से सदन को धन्यवाद देना चाहता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि जो लोग कह रहे हैं कि अब तक आदिवासियों का विकास क्यों नहीं हुआ? तो, वो खुद बताएं कि 70 सालों से उन्होंने क्या किया? उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश के हर गरीब को घर मिला, गैस मिला, शुद्ध पीने का पानी मिला, 5 लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा मिला, प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज मिलाज लेकिन, ये बस्तर वाले क्यों छूट गए थे?अमित शाह ने कहा कि मैं इसलिए कह रहा हूं कि सत्य को झुठलाया जा रहा है। ये बस्तर वाले इसलिए छूट गए थे, क्योंकि वहां लाल आतंक की परछाई थी, इसलिए वहां विकास नहीं पहुंचा। मोदी सरकार में आज वो परछाई हट गई है, और इसलिए आज बस्तर विकास कर रहा है। ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, जो हथियार उठाएगा, उसका हिसाब चुकता होगा।उन्होंने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि 75 साल में 60 साल तो शासन आपने किया, आदिवासी अभी तक विकास से क्यों वंचित रहे? आदिवासियों का विकास तो अब नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 60 साल आपने (कांग्रेस) उन्हें घर नहीं दिया, पानी नहीं दिया, स्कूल नहीं बना, बैंक की फैसिलिटी नहीं पहुंचने दिया, इसलिए पहले थोड़ा अपनी गिरेबां में झांककर देखो कि दोषी कौन है।

## बंगाल विधानसभा चुनाव : बीजेपी ने 13 उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट की जारी, मैनागुड़ी में बदला उम्मीदवार

कोलकाता, (आरएनएस)। भाजपा ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 13 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की है और साथ ही मैनागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार को भी बदल दिया है। भाजपा की इस चौथी सूची में 13 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। वहीं दूसरी सूची में घोषित एक उम्मीदवार का नाम भी बदला गया है। सूची के अनुसार, दूसरी सूची में घोषित मैनागुड़ी (अनुसूचित जाति) सीट से अब दालिम रॉय भाजपा के उम्मीदवार होंगे।

भाजपा की इस नई सूची के अनुसार, सिताई सीट से आशुतोष वर्मा नाटाबाड़ी से गिरिजा शंकर रॉय, बागदा से सोमा ठाकुर, मगराहाट पूर्व से उत्तम कुमार बनिक और फालटा से देबांगशु पांडा को टिकट दिया गया है। वहीं सोनारपुर उत्तर से देबाशीष पाठक, हावड़ा दक्षिण से श्यामल हाती, पंचला सीट से रंजन कुमार पॉल, चंडीपुर से पीयूष कांति दास, गारबेटा से प्रदीप लोढ़ा, मेमारी से मानव गुहा और बाराबनी सीट से अरिजीत रॉय भाजपा उम्मीदवार होंगे।

केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर की पत्नी सोमा ठाकुर को उत्तर 24 परगना जिले के बागदा से मैदान में उतारा गया है। साथ ही, हाल ही में कांग्रेस छोड़कर BJP में शामिल हुए संतोष पाठक को BJP ने कोलकाता के चौरंगी विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है।

## दिल्ली जा रहे विमान में उठे धुएं से मचा हड़कंप, लखनऊ में कराई इमरजेंसी लैंडिंग; 148 यात्री थे सवार

लखनऊ (आरएनएस)। लखनऊ में बीती शाम एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह विमान बागडोगरा से नई दिल्ली जा रहा था। जानकारी के अनुसार, उड़ान के दौरान विमान में अचानक धुआं दिखाई देने लगा, जिससे यात्रियों और क्रू में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल ( ATC) से संपर्क किया और लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलते ही विमान को शाम करीब 5:30 बजे सुरक्षित रूप से लैंड कराया गया।

विमान में कुल 148 यात्री सवार थे। सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। कुछ यात्रियों को बाद में वैकल्पिक उड़ानों के जरिए दिल्ली भेजा गया। इससे पहले भी नई दिल्ली के एयरपोर्ट पर विशाखापट्टनम से आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। उस दौरान विमान के इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना मिलने पर एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट घोषित किया गया था और रनवे को तुरंत तैयार किया गया।

गौरतलब है कि हाल के समय में तकनीकी कारणों से विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में एयरलाइंस कंपनियों के लिए सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन और नियमित तकनीकी जांच सुनिश्चित करना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

## क्या अवैध रिश्ते से पैदा हुए बच्चे का पिता की पेंशन पर होता है हक? हाईकोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

कोलकाता,(आरएनएस)। कोलकाता हाई कोर्ट ने संपत्ति और उत्तराधिकार को लेकर एक बेहद अहम और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी व्यक्ति के अवैध रिश्ते या बिना तलाक लिए की गई दूसरी शादी से कोई संतान पैदा होती है, तो उसका भी अपने पिता की पेंशन पर पूरा हक है। पूर्वी रेलवे में काम करने वाले एक गेटमैन से जुड़े पारिवारिक मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने यह बड़ा आदेश दिया है। अदालत का यह फैसला भविष्य में आने वाले ऐसे तमाम मामलों के लिए एक बड़ी नजीर साबित होने वाला है।

बीमारी के कारण छोड़ी पहली पत्नी, गुपचुप रचा ली दूसरी शादी

यह पूरा कानूनी विवाद पूर्वी रेलवे के एक कर्मचारी से जुड़ा है। शख्स की 50 वर्षीय पहली पत्नी ने अदालत में बताया कि उसे मिर्गी के दौरे आते हैं, जिस वजह से उसके पति ने उसे बेसहारा छोड़ दिया। महिला का गंभीर आरोप था कि पति ने उसे बिना कोई जानकारी दिए और कानूनी रूप से बिना तलाक लिए ही दूसरी महिला से गुपचुप तरीके से शादी रचा ली। हद तो तब हो गई जब 31 दिसंबर, 2025 को रिटायरमेंट के बाद इस कर्मचारी ने अपनी सर्विस और पेंशन बुक से पहली पत्नी और अपने बेटे का नाम हटवा दिया। उनकी जगह पर उसने अपनी दूसरी पत्नी और उससे पैदा हुई 15 साल की बेटी का नाम दर्ज करा दिया।

रेलवे ने दिया था पेंशन को आधा-आधा बांटने का आदेश

पहली पत्नी ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि साल 2012 से पहले उनके बीच गुजारा भत्ता (मेंटेनेंस) का केस चल रहा था। उस वक्त अदालत ने बेटे की परवरिश के लिए पति को हर महीने 1000 रुपये देने का आदेश दिया था। महिला के मुताबिक, 2012 के बाद से पति ने उन्हें एक भी पैसा नहीं दिया और उन्होंने बड़ी मुश्किल से अपना जीवन काटा।

## जयपुर में फोटोशूट के लिए असली हाथी को रंग दिया गुलाबी, विदेशी फोटोग्राफर की इस हरकत पर मचा भारी बवाल

जयपुर, (आरएनएस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। यहां एक मंदिर के सामने बार्सिलोना में रहने वाली रूसी फोटोग्राफर जूलिया बुरुलेवा ने अपने एक खास फोटोशूट के लिए एक असली हाथी को चमकीले गुलाबी रंग से रंग दिया। इस गुलाबी हाथी की पीठ पर बैठी एक मॉडल की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों के सामने आते ही पशु प्रेमी और आम इंटरनेट यूजर्स भड़क गए हैं और इसे जानवरों के साथ सरासर क्रूरता बता रहे हैं। रूसी फोटोग्राफर जूलिया बुरुलेवा एक आर्ट एक्सपीडिशन (कला अभियान) के तहत जयपुर आई हुई थीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस विवादित फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि जयपुर शहर के रंग-बिरंगे माहौल और यहां की अनूठी संस्कृति से प्रेरित होकर उनके दिमाग में यह आइडिया आया था। उनकी कल्पना थी कि पारंपरिक राजस्थानी दरवाजों के सामने एक गुलाबी हाथी खड़ा हो। उनका मानना था कि हाथी राजस्थान का एक बेहद अहम प्रतीक है, इसलिए वह उसे अपने आर्ट प्रोजेक्ट में शामिल किए बिना नहीं रह सकीं। उन्होंने यह भी बताया कि इस शूट के लिए हेरिटेज लोकेशन की परमिशन लेना और एक हाथी का इंतजाम करने के लिए कई फार्म्स के चक्कर काटना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

## उत्तराखंड पवित्र और आध्यात्मिक प्रदेश, जहां प्राकृतिक संपदा और धार्मिक महत्व दोनों : बाबा रामदेव

देहरादून,(ए)। बाबा रामदेव ने 2026 में उत्तराखंड के विकास और वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर अपनी विचारधारा साझा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पवित्र और आध्यात्मिक प्रदेश है, जहां प्राकृतिक संपदा और धार्मिक महत्व दोनों की भरमार है। उनका मानना है कि राज्य में इसतरह के प्रयास होने चाहिए, जिससे विश्वभर के पर्यटक और श्रद्धालु यहां आकर्षित हों। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड स्विट्जरलैंड जैसी विकसित स्थिति हासिल कर सकता है, न केवल औद्योगिक विकास में बल्कि 'ग्लोबल हेल्थ हब' के रूप में भी। बाबा रामदेव ने बताया कि राज्य में उपलब्ध दुर्लभ औषधियों के माध्यम से बीपी, शुगर और अन्य गंभीर बीमारियों का प्रभावी उपचार संभव है।

हर की पौड़ी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि गंदगी और अव्यवस्था से पवित्र स्थल की छवि खराब होती है। घाटों पर कचरा और झोपड़ियां हैं, लेकिन वे भी गरिमापूर्ण होनी चाहिए। कुंभ के पावन मौके पर पतंजलि को सेवा का अवसर मिलने पर बाबा रामदेव ने हर की पौड़ी का कायाकल्प स्वयं के संसाधनों से करने का प्रयास बताया।मिडिल ईस्ट के तनाव पर उन्होंने चिंता जताकर कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में अमेरिका और इजरायल की नीतियों ने वैश्विक संकट बढ़ाया है। बाबा ने स्पष्ट किया कि उनका दृष्टिकोण किसी देश के पक्ष में नहीं बल्कि मानवता के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर दूरी पैदा करने वाले समाज को गुमराह कर रहे हैं।

*प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में कायन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन किया. साथ में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद हैं।*

## हाई कोर्ट के जज भी नहीं बच पाए शातिर ठगों के जाल से, एक फर्जी ऐप ने मिनटों में उड़ाए 6 लाख रुपए

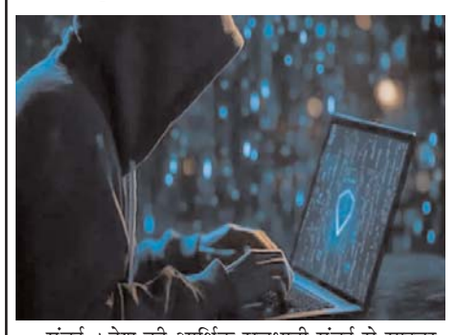

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से साइबर ठगी का एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने सुरक्षा एजेंसियों के भी कान खड़े कर दिए हैं। इस बार शातिर साइबर ठगों ने किसी आम आदमी को नहीं, बल्कि सीधे बॉम्बे हाई कोर्ट के एक सिटिंग जज को अपना शिकार बनाया है। ठगों ने बड़ी ही चालाकी से जज के बैंक खाते से 6 लाख रुपये से ज्यादा की रकम उड़ा ली। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई की कफ परेड पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और झारखंड के कुख्यात 'जामताड़ा' से इस ठगी के 25 वर्षीय मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है।

### क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड पॉइंट्स के चक्कर में बिछाया गया जाल

पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस पूरी घटना की शुरुआत बीते 28 फरवरी को हुई थी। दरअसल, हाई कोर्ट के जज अपने क्रेडिट कार्ड पर मिले रिवॉर्ड पॉइंट्स को रिडीम करना (भुनाना) चाहते थे। इसके लिए उन्होंने सबसे पहले बैंक के कस्टमर केयर पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन नंबर लगातार व्यस्त आ रहा था। इसके बाद उन्होंने इंटरनेट का सहारा लिया और वहां कस्टमर केयर नंबर सर्च किया। उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि गूगल सर्च में सबसे ऊपर दिखने वाला वह नंबर असली नहीं, बल्कि साइबर ठगों द्वारा बिछाया गया एक बड़ा जाल है।

### आईफोन पर काम नहीं किया लिंक, तो नौकरानी के फोन से हुआ खेल

इंटरनेट से मिले उस फर्जी नंबर पर कॉल करते ही दूसरी तरफ से एक शातिर ठग ने खुद को बैंक का अधिकारी बताकर जज से बात की। उसने बड़ी ही चालाकी से बातों में उलझाकर जज के मोबाइल पर एक लिंक भेजा और 18MB का एक ऐप ( APK फाइल) डाउनलोड करने को कहा। सुरक्षा कारणों से जब जज के आईफोन (iPhone) में वह ऐप इंस्टॉल नहीं हुआ, तो ठग ने उन्हें किसी एंड्रॉइड ( Android) फोन का इस्तेमाल करने की सलाह दी। ठग की मीठी बातों में आकर जज ने अपना सिम कार्ड घर में काम करने वाली महिला (नौकरानी) के एंड्रॉइड फोन में डाला और वह फर्जी ऐप डाउनलोड कर लिया। जैसे ही उन्होंने ऐप में अपने क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स दर्ज कीं, देखते ही देखते उनके खाते से 6.02 लाख रुपये साफ हो गए।

### 10 राज्यों की पुलिस को थी इस खूंखार साइबर अपराधी की तलाश

खाते से लाखों रुपये कटने का मैसेज आते ही जज को अपने साथ हुई इस बड़ी ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने बिना देरी किए तुरंत कफ परेड पुलिस स्टेशन में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हाई-टेक तरीके से जांच शुरू की और करीब 10 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद जामताड़ा साइबर सेल और करमाटांड़ पुलिस की मदद से आरोपी मजहर आलम इसराइल मियां को धर दबोचा। जांच में एक और बड़ा और हैरान करने वाला खुलासा हुआ है कि पकड़ा गया यह आरोपी कोई नया खिलाड़ी नहीं है, बल्कि देश के करीब 10 राज्यों में इसके खिलाफ साइबर ठगी के 36 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आम जनता को भी सचेत किया है कि इंटरनेट से मिले कस्टमर केयर नंबरों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें और किसी के कहने पर कोई भी अनजान लिंक

# सोशल मीडिया पर न्यूज कंटेंट शेयर करने वालों पर भी लागू होगा ये नियम, केंद्र ने रखा संशोधन का प्रस्ताव

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मध्यस्थों (इंटरमीडियरीज़) के लिए सरकार द्वारा जारी निर्देशों के पालन की बाध्यता का विस्तार करना और ऑनलाइन सामग्री पर नियामकीय निगरानी का दायरा बढ़ाना है। इसमें नॉन-पब्लिशर उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा की गई समाचार और समसामयिक (करंट अफेयर्स) सामग्री भी शामिल की गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन प्रस्तावित संशोधनों पर हितधारकों से सुझाव मांगे हैं, जिसके लिए 14 अप्रैल, 2026 तक की समय-सीमा तय की गई है। प्रस्ताव में आईटी नियमों के भाग III की प्रयोज्यता को उन मध्यस्थों पर स्पष्ट करने की बात कही गई है, जो ऐसे उपयोगकर्ताओं द्वारा पोस्ट की गई समाचार और करंट अफेयर्स सामग्री को

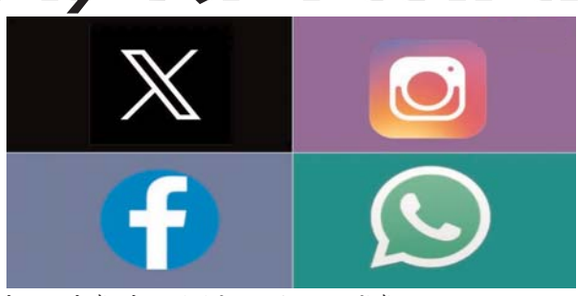

होस्ट करते हैं, जो स्वयं पंजीकृत पब्लिशर नहीं हैं।

इस कदम के जरिए उपयोगकर्ताओं द्वारा समाचार सामग्री के प्रसार को प्रभावी रूप से उस नियामकीय ढांचे के दायरे में लाने का प्रयास किया गया है, जो डिजिटल मीडिया की आचार संहिता को नियंत्रित करता है।

मसौदे के अनुसार, ये प्रावधान उन सभी समाचार और समसामयिक सामग्री पर लागू होंगे, जिन्हें गैर-पब्लिशर उपयोगकर्ता किसी मध्यस्थ के प्लेटफॉर्म पर होस्ट, प्रदर्शित, अपलोड, संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहीत, अपडेट या साझा करते हैं।

भाग II के तहत एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में नया नियम 3(4) जोड़ने का प्रस्ताव है। इसके तहत मध्यस्थों के लिए यह अनिवार्य किया जाएगा कि वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत अपने 'ड्यू डिलिजेंस' दायित्वों के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण, परामर्श, निर्देश, मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) और दिशानिर्देशों का पालन करें।मसौदे में यह भी स्पष्ट किया गया है कि नियम 3(1)(g) और 3(1)(h) के तहत डेटा संरक्षण से जुड़े दायित्व, अन्य लागू कानूनों की आवश्यकताओं को प्रभावित किए बिना प्रभावी रहेंगे।

## क्या पत्नी की मौत के बाद मायके से मिली संपत्ति पर होता है पति का हक? हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

अमरावती ,(आरएनएस)। अक्सर यह माना जाता है कि पत्नी के नाम पर मौजूद किसी भी संपत्ति पर उसके पति का स्वाभाविक अधिकार होता है, लेकिन आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने अपने एक बेहद अहम फैसले से इस धारणा को पूरी तरह साफ कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि मायके से मिली प्रॉपर्टी पर पति का कोई कानूनी हक नहीं होता है। हाई कोर्ट के इस फैसले के मुताबिक, अगर किसी हिंदू महिला को उसके माता-पिता से कोई संपत्ति विरासत में मिलती है और दुर्भाग्यवश बिना वसीयत किए उसकी मृत्यु हो जाती है, तो उस संपत्ति पर उसके पति या ससुराल वालों का कोई भी दावा नहीं माना जाएगा।

निसंतान महिला की मौत पर किसे मिलेगी संपत्ति?

इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस तरलाडा राजशेखर राव ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(2)(क) का प्रमुखता से हवाला दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर किसी महिला को संपत्ति उसके पिता या माता की तरफ से मिली है और उसकी मृत्यु बिना किसी संतान के हो जाती है, तो ऐसी स्थिति में वह संपत्ति वापस उसके पिता या मायके के उत्तराधिकारियों के पास ही जाएगी। इस तरह की विरासत वाली प्रॉपर्टी पर मृत महिला के पति का कोई अधिकार नहीं बनता है। कानून का हवाला देते हुए अदालत ने संपत्ति मायके पक्ष को लौटाने का स्पष्ट आदेश सुनाया।

आखिर क्या था प्रॉपर्टी से जुड़ा यह पूरा विवाद?

यह पूरा कानूनी विवाद एक पारिवारिक संपत्ति से शुरू हुआ था, जिसमें एक बुजुर्ग महिला ने साल 2002 में अपनी एक पोती को उपहार के तौर पर अपनी संपत्ति दी थी। हालांकि, साल 2005 में उस पोती की मौत हो गई और उसकी कोई संतान भी नहीं थी। पोती के निधन के बाद उस बुजुर्ग महिला ने वह प्रॉपर्टी अपनी दूसरी पोती के नाम कर दी। महिला की मृत्यु के बाद जब दूसरी पोती ने कानूनी रूप से संपत्ति अपने नाम करवाने की प्रक्रिया शुरू की, तो इसे पहले राजस्व अधिकारी ने स्वीकार कर लिया। लेकिन इसके बाद मृत पोती के पति ने इस आदेश को चुनौती दे दी और निचले स्तर पर अपने पक्ष में आदेश हासिल कर लिया। इसके खिलाफ दूसरी पोती ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

# आखिर किसको हिसाब चुकाने की चेतावनी दे रहे केजरीवाल..सोशल मीडिया पर चर्चा

नई दिल्ली,(ए.)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल आखिर किसको हिसाब चुकाने की चेतावनी दे रहे हैं? बिना नाम लिए और कोई संकेत दिए केजरीवाल ने कहा कि जुल्म इतना ही करना चाहिए जितना खुद सह सकते हैं। पूर्व सीएम ने लिखा, 'दौर बदलने पर हिसाब तुम भी चुकाना होगा। बात दें कि केजरीवाल इस तरह के तीखे हमले हमेशा मोदी सरकार के खिलाफ करते हैं। लेकिन राजनीतिक जानकार इस बात से हैरान हैं कि केजरीवाल का निशाना यदि केंद्र पर है, तब उन्होंने नाम लेने या इशारा करने से परहेज क्यों किया? केजरीवाल के पोस्ट पर एक्स पर चर्चा छिड़ गई। कुछ ही देर में सैकड़ों यूजर्स ने कॉमेंट किए। कई लोगों ने दिल्ली के पूर्व सीएम से

पूछा कि आखिर वह किसको ऐसा संदेश देना चाहते हैं। वहीं, कई ने उनके शायराना अंदाज की तारीफ भी की।

केजरीवाल ने इशारों में यह तीखा हमला तब किया है, जब उनके और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच कानूनी जंग तेज हो चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में समन जारी किए जाने के बावजूद जांच एजेंसी के समक्ष पेश न होने को लेकर दर्ज दो अलग-अलग मामलों में आरोप मुक्त किए जाने के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया। निचली अदालत के 22 जनवरी के फैसले के खिलाफ ईडी की अपील पर बुधवार को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सुनवाई होनी है। ईडी का आरोप है कि केजरीवाल ने जानबूझकर समन पर अमल नहीं किया और जांच में शामिल नहीं हुए।

# साड़ी में श्वेता तिवारी का दिलकश अंदाज, फैंस बोले- तारीफ के लिए शब्द नहीं

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी बोल्डनेस के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी हुई रहती हैं। एक्ट्रेस भले ही फिल्मों में कम नजर आती हैं, लेकिन आए दिन अपने हॉट एंड ग्लैमरस लक्स से हमेशा चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उन्होंने खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी स्टनिंग नजर आ रही हैं। वे गुलाबी साड़ी में खूबसूरत पोज देती दिख रही हैं। श्वेता ने मैचिंग झुमको के साथ लुक कंपलिट किया हैं। श्वेता के इस लुक और उनकी फिटनेस की यूजर्स जमकर तारीफ कर रहे हैं। श्वेता तिवारी ने शो कसौटी जिंदगी की से अपना टीवी कैरियर शुरु किया था।अपने बेबाक अभिनय से लोगों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी के चाहने वाले देशभर में हैं।श्वेता तिवारी आज भी इतनी खूबसूरत हैं कि फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब किए रहती हैं। फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं।कसौटी जिंदगी की फेम एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने छोटे पर्दे के कई सीरियल्स और टीवी शोज में काम किया है।

# विजय वर्मा के जन्मदिन पर फैंस को मिला तोहफा, रिलीज हुआ मटका किंग का टीजर, 17 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

प्राइम वीडियो, जो इंडिया का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन है, उसने आज विजय वर्मा के बर्थडे पर उनकी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज मटका किंग की वर्ल्डवाइड प्रीमियर डेट 17 अप्रैल अनाउंस कर दी है.अभय कोरन्ने की लिखी और नागराज पोपटराव मंजुले की बनाई और डायरेक्ट की गई ये सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर बेस्ड है. ये कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है जो मटका नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है.

इसे सिद्धार्थ रॉय कपूर, नागराज पोपटराव मंजुले, गार्गी कुलकर्णी, अश्विनी सिदवानी और आशीष आर्यन ने रॉय कपूर फिल्म्स, आटपाट और एसएमआर प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. मटका किंग में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर लीड रोल्स में हैं. इनके साथ ही विनीत कुमार सिंह, भरत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगड़े, इशितयाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे. ये सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया के 240 से ज्यादा देशों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी.

मटका किंग की कहानी ब्रिज भट्टी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार विजय वर्मा ने निभाया है. वह 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे में अपनी पहचान और इज्जत बनाने की कोशिश में जुटा एक तेज दिमाग और मेहनती कॉटन ट्रेडर है. भीड़भाड़ वाले बाजारों, चॉलों और बदलती पावर डायनेमिक्स के बीच सेट यह कहानी एक महत्वाकांक्षी आइडिया से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बना लेता है और समाज के हर तबके के लोगों को अपनी ओर खींचने लगता है. जैसे-जैसे उम्मीदें और दांव बढ़ते जाते हैं, यह सीरीज महत्वाकांक्षा, ताकत और अपनी जगह बनाने की एक रोमांचक कहानी के रूप में सामने आती है.

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स हेड और डायरेक्टर निखिल

मधोक ने कहा, मटका किंग एक ऐसे आदमी की दिलचस्प कहानी है जो बदलते वक्त के साथ हर मुश्किल से लड़कर कामयाब होने की कोशिश करता है, और इसे इस तरह से पेश किया गया है कि दर्शक हैरान रह जाएंगे. ब्रिज भट्टी का मटका किंग बनने का सफर जितना शानदार है, उतना ही एक सबक भी देता है. हम रॉय कपूर फिल्म्स, आटपाट और एसएमआर प्रोडक्शंस के साथ मिलकर इस बोल्ड कहानी को 17 अप्रैल को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं.

मटका किंग के को-प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर ने बताया, हमें इस सीरीज की ओर जिस चीज ने सबसे ज्यादा खींचा, वो था इसका बड़े स्तर पर बनाया गया अनोखा वर्ल्ड और एक ऐसे इंसान की कहानी, जो तेजी से बदलते समाज में अपनी महत्वाकांक्षा, पहचान और सम्मान के लिए संघर्ष करता है. हालांकि यह कहानी एक खास समय और जगह की है, लेकिन इंसानी सपनों और फैसलों की जो इसमें झलक दिखती है, उससे हर कोई खुद को जोड़ पाएगा। नागराज पोपटराव मंजुले के साथ काम करना काफी सुखद रहा, जिनके काम का मैं हमेशा से कायल रहा हूँ. साथ ही, टैलेंटेड अभय कोरन्ने, जिनके साथ हमने पहले भी सफल काम किया है, उन्होंने कहानी कहने के तरीके में एक अलग क्रिएटिव विजन और सच्चाई भरी है.विजय वर्मा, कृतिका कामरा और गुलशन ग्रोवर जैसे शानदार कलाकारों ने इस सीरीज में जान फूँक दी है। हम इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए प्राइम वीडियो के साथ अपनी पार्टनरशिप को और मजबूत करके बहुत खुश हैं और 17 अप्रैल से मटका किंग को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रहे हैं.

## धनुष स्टारर कारा को मिली रिलीज डेट, 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड फिल्म तेरे इश्क में से तारीफें बटोर चुके धनुष अब नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मेकर्स ने अभिनेता की अपकमिंग फिल्म कारा की रिलीज का एलान कर दिया है। इस फिल्म का निर्देशन विग्नेश राजा ने किया है। फिल्म अगले महीने रिलीज होने वाली है।

कारा के मेकर्स ने एलान किया है कि एक्शन एंटरटेनर फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज का एलान इशारी के गणेश ने किया। फिल्म उनके प्रोडक्शन हाउस, वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले बनी है।

वेल्स यूनिवर्सिटी के दो दिन के कल्चरल फेस्टिवल में प्रोड्यूसर इशारी के गणेश ने कहा, अगर मुझे किसी चीज को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहना हो, तो वह निश्चित रूप से एक्टर धनुष के साथ वदा चेन्नई 2 होगी। साथ ही धनुष की आने वाली फिल्म कारा 30 अप्रैल को थिएटर में रिलीज होने वाली है। गणेश यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर भी हैं।

फिल्म के मेकर्स ने इस साल पोंगल पर फिल्म का टाइटल शेयर किया था। मेकर्स ने फिल्म का एक पोस्टर भी रिलीज किया था।

# अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला की रिलीज डेट आगे बढ़ी, अब 17 अप्रैल को पर्दे पर देगी दस्तक

बॉक्स ऑफिस पर होने वाले साल के सबसे बड़े टकराव से बचने के लिए निर्माता एकता कपूर ने बड़ा फैसला लिया है। अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म भूत बंगला की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह की मेगा-ब्लॉकबस्टर धुरंधर 2 के साथ सीधे टकराव और बॉक्स ऑफिस प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए एकता ने ये कदम उठाया है, ताकि दोनों फिल्मों के कारोबार पर बुरा असर न पड़े।

एकता की फिल्म भूत बंगला अब 10 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज में देरी की खबरों के बीच वैरायटी इंडिया ने भी पुष्टि की है कि इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को औपचारिक रूप से स्थगित कर दिया गया है। । अब इसकी नई रिलीज डेट 17 अप्रैल, 2026 तय की गई है। दरअसल, धुरंधर 2 फिलहाल सिनेमाघरों में राज कर रही है, इसलिए एकता कोई भी जोखिम उठाने के मूड में नहीं हैं।

धुरंधर 2 का बॉक्स ऑफिस पर ऐसा तूफान आया है कि बड़े-बड़े हॉलीवुड सितारे भी इसके सामने टिक नहीं पा रहे हैं। फिल्म अभी भी हाउसफुल सिनेमाघरों में चल रही है और लगभग सभी स्क्रीन्स पर इसी का कब्जा है। यहां तक कि हॉलीवुड सुपरस्टार रायन गोसलिंग की बहुप्रतीक्षित फिल्म प्रोजेक्ट हेल मैरी, जिसे विशेष रूप से आइमैक्स के लिए फिल्माया गया था, उसे भी भारत में उतनी स्क्रीन्स नहीं मिल पाईं, जितनी उसे जरूरत थी। इंडस्ट्री के एक सूत्र के अनुसार, भूत बंगला के निर्माताओं को धुरंधर 2 से मुकाबला करने की चुनौतियों का अहसास हो गया था। ये बिजनेस से जुड़ा है बेहतरीन फैसला है, जो न केवल निर्माताओं के लिए, बल्कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए फायदे का सौदा है। एकता की मां और निर्माता शोभा कपूर ने भी इस फैसले का पूरा समर्थन किया है। इससे पहले यश की फिल्म टॉक्सिक ने भी धुरंधर 2 से टकराने से परहेज किया था। भूत बंगला अब 17 अप्रैल को रिलीज होगी। पहले ये तारीख सलमान खान की फिल्म मातृभूमिके लिए आरक्षित थी। हालांकि, अभिनेता-गायक प्रशांत तमांग के असामयिक निधन के कारण मातृभूमि की शूटिंग प्रभावित हुई और फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया। इस खाली स्लॉट का फायदा उठाते हुए एकता ने अपनी फिल्म को वहां शिफ्ट कर दिया है। वो अब पूरे 1 हफ्ते बाद फिल्म को सिनेमाघरों में लेकर आएंगी ताकि इसकी कमाई उतनी प्रभावित न हो।

## धुरंधर 2 ने फिर रचा इतिहास, रिकॉर्डतोड़ कमाई के साथ पुष्पा 2 को दी धोबी पछाड़, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1200 करोड़ पार

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 को फैंस भर-भरकर प्यार दे रहे हैं. फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज है. पहले दिन से ही फिल्म एक के बाद एक रिकॉर्ड ब्रेक कर रही है. अब 10वें दिन भी फिल्म ने इतिहास रच दिया है और पुष्पा 2 का रिकॉर्ड भी ब्रेक कर दिया है.सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने दसवें दिन यानी दूसरे शनिवार 62.85 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म को 44.8 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म को 18,820 शोज मिले. धुरंधर 2 के दूसरे शनिवार के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं. पर अगर फिल्म ने दूसरे शनिवार को 62.85 करोड़ कमाए हैं तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 778.77 करोड़ हो गया है. वहीं फिल्म ने 10 दिनों में दुनियाभर में 1255 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.रिपोर्ट के मुताबिक, इसी के साथ फिल्म हिंदी सिनेमा में दूसरे शनिवार को सबसे कमाने वाली फिल्म बन गई है. फिल्म ने पुष्पा 2 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.

## *कॉकटेल 2 में देखने को मिलेगा कृति सैनन का अलग अंदाज, बोलीं- पिछली फिल्मों से बिल्कुल अलग है*

*बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन जल्द ही अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आने वाली है. हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि फिल्म में उनका बिलकुल अलग ही अंदाज देखने को मिलेगा. आइए जानते है उन्होंने आगे क्या कहा.*

*बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन ने अपनी अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है. उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार अब तक का सबसे बोल्ड रोल है.*

*होमी अदजानिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में फ्रेश कास्ट और मॉडर्न रोमांस की झलक देखने को मिलेगी, जिसे लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी एक्साइटेड है.*

*कृति सैनन ने बताया कि इस फिल्म में उनका लुक और किरदार उनकी पिछली फिल्मों से बिल्कुल अलग है. उनका कैरेक्टर काफी स्टाइलिश, कॉन्फिडेंट और फैशन-फॉरवर्ड है, जिसे उन्होंने पहले कभी स्क्रीन पर नहीं निभाया.एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि होमी अदजानिया के साथ काम करने से उन्हें अपनी एक नई स्क्रीन पर्सनैलिटी को एक्सप्लोर करने का मौका मिला.बता दें, अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगे. फिल्म को होमी अदजानिया डायरेक्ट कर रहे हैं, जो पहले भी ओरिजिनल कॉकटेल का निर्देशन कर चुके हैं.यह फिल्म नई कहानी और किरदारों के साथ पेश की जाएगी, लेकिन इसमें 2012 की हिट फिल्म कॉकटेल वाला ही फील बरकरार रखा गया है.कॉकटेल 2 को एक स्पिरिचुअल सीक्वल माना जा रहा है, जिसमें रोमांस, ग्लैमर और आज के रिश्तों से जुड़े मुद्दों को दिखाया जाएगा. यह फिल्म जून 2026 में रिलीज होने वाली है.*

# पाचन तंत्र को मजबूत और तनाव को दूर करने के लिए रोज करें गर्भासन

भारतीय संस्कृति में योग एक अनमोल विरासत है, जो शरीर और मन को स्वस्थ रखने का प्राचीन तरीका है। योग के अनेक आसनों में से एक गर्भासन है, जो उन्नत और प्रभावशाली मुद्रा माना जाती है। यह हठयोग का एक उन्नत आसन है, जिसमें शरीर भ्रूण (गर्भाशय में शिशु) जैसी आकृति बनाता है। यह संतुलन, मानसिक शांति और पेट के स्वास्थ्य के लिए उत्कृष्ट है। यह मुख्य रूप से पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है, पाचन में सुधार करता है और मानसिक तनाव को कम करने में मदद करता है। हठयोग प्रदीपिका में 15 प्रमुख आसनों का वर्णन है। यह अक्सर प्रारंभिक आसनों के समूह के बाद, उत्तान-कूर्म या अन्य बंधनों के अंतर्गत आता है। इसमें पद्मासन लगाकर हाथों को जंघाओं और पिंडलियों के बीच से निकालकर कान तक लाया जाता है।

गर्भासन गर्भ और आसन शब्द से मिलकर बनता है। गर्भ का मतलब भ्रूण होता है और आसन का मतलब मुद्रा। इस आसन को करने पर शरीर की मुद्रा ठीक वैसी ही दिखती है, जैसे मां के गर्भ में शिशु कुंडलित अवस्था में रहता है, जिस वजह से इसे गर्भासन कहा जाता है। इसको रोजाना कुछ मिनट करने मात्र से कई तरह के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।आयुष मंत्रालय ने इस आसन के महत्व पर जोर दिया है। उनके अनुसार, गर्भासन एक उन्नत योग मुद्रा है जो मन को शांत करने, तनाव कम करने, पाचन में सुधार करने और एकाग्रता बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन शरीर का लचीलापन बढ़ाता है, जोड़ों को मजबूत करता है और पीठ के निचले हिस्से में आराम पहुंचाता है।

इसे करना बेहद आसान हैं। करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं। इसके बाद कुक्कुटासन की तरह अपने हाथों को जांघों और पिंडलियों के बीच में फंसाकर कोहनियों तक बाहर निकालें। अब दोनों कोहनियों को मोड़ते हुए हाथों से दोनों कान पकडने की कोशिश करें। इस दौरान शरीर का पूरा भार कूल्हों पर होना चाहिए। सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी क्षमतानुसार इस स्थिति में रहने के बाद सामान्य हो जाएं।

गंभीर पीठ दर्द, घुटने/कूल्हे की चोट या हर्निया की स्थिति में यह आसन न करें।

## एक बार फिर चलन में आई कैप्री, जानिए इस बॉटम वियर को स्टाइल करने के तरीके

गर्मियों में महिलाएं कैप्री पहनना पसंद करती ब्लाउज आपके लुक में रंग भर देगा और आपको हैं, जो मध्यम लंबाई वाली पैंट या जींस होती हैं। अलग दिखाएगा। आप फूलों वाले प्रिंट, पोल्का यह परिधान सालों बाद एक बार फिर चलन में डॉट या ज्यामितीय डिजाइन वाले ब्लाउज चुन आ गया है। इसे पहनने के बाद गर्मी महसूस नहीं सकती हैं, जो गर्मियों की ताजगी को दर्शाते हैं। होती है और एक स्टाइलिश लुक भी मिल इसके साथ आप हल्के रंग की कैप्री पहन जाता है। कैप्री को सही तरीके से सकती हैं, जो आपके पूरे लुक को संतुलित स्टाइल करने पर आप हर मौके पर बनाए रखेगी और आपको आकर्षक दिखाएगी। आकर्षक लग सकती हैं। चाहे वह

### ट्यूब टॉप के साथ स्टाइल करें

कैप्री को स्टाइल करने का सबसे पश्चिमी और खास तरीका होगा उसके साथ ट्यूब टॉप पहनना। यह आउटफिट गर्मी के लिए सबसे बढ़िया रहेगा, क्योंकि इसमें आपको जरा भी असुविधा महसूस नहीं होगी। कूल प्रिंट वाला ट्यूब टॉप पहनकर उसके साथ डेनिम जींस वाली कैप्री पेयर कर लें। इसके अलावा आप एकल रंग या सुंदर प्रिंट वाले ट्यूब टॉप के साथ हल्के रंग वाली कैप्री भी पहन सकती हैं। पैरों में फ्लैट चप्पल पहनकर लुक पूरा करें।

### शर्ट के साथ लगेगी शानदार

अगर आप ऑफिस या कॉलेज में कैप्री पहनना चाहती हैं तो उसके ऊपर शर्ट पहन सकती हैं। यह स्टाइल खासतौर पर उन दिनों के लिए सही रहेगा, जब आप थोड़ा फॉर्मल लुक पाना चाह रही हों। आप नीली या सफेद रंग की शर्ट चुन सकती हैं और उसे गहरे रंग की कैप्री के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस लुक के साथ किटन हील या लोफर्स पेयर करें, ताकि आपका पूरा लुक संतुलित और एलिगेंट नजर आए।

### हाल्टर नेक टॉप के साथ पहनें

हाल्टर नेक इस साल की सबसे ट्रेंडी नेकलाइन है, जिसके टॉप कैप्री के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। इस आउटफिट को पहनकर आपको एक स्टाइलिश और भीड़ से अलग लुक मिल जाएगा। जींस वाली कैप्री के साथ एकल रंग वाला हाल्टर नेक टॉप पेयर करें। इसके साथ आप पेंसिल या किटन हील पहन सकती हैं, जो आपको और भी आकर्षक लुक देंगी। लुक को पूरा करने के लिए एक सुंदर-सा शोल्डर बैग कैरी करें।

### प्रिंटेड ब्लाउज के साथ मेल करें

अगर आप कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो प्रिंटेड ब्लाउज के साथ कैप्री का मेल करना अच्छा विकल्प हो सकता है। प्रिंटेड

# ईरान पर हमले से ठीक पहले अमेरिकी रक्षा मंत्री का बड़ा 'खेल', करोड़ों के निवेश की कोशिश से मचा हड़कंप

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भीषण युद्ध के बीच एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एक ताजा रिपोर्ट में यह सनसनीखेज दावा किया गया है कि ईरान में सैन्य कार्रवाई शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की ओर से काम कर रहे एक ब्रोकर ने रक्षा क्षेत्र से जुड़े एक बड़े फंड में करोड़ों डॉलर का निवेश करने की कोशिश की थी। इस खुलासे के बाद अमेरिकी राजनीतिक और रक्षा हलकों में हड़कंप मच गया है, हालांकि पेंटागन ने सामने आए इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पेंटागन ने आरोपों को बताया मनगढ़ंत साजिश

इस बड़े खुलासे के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन की ओर से तुरंत कड़ा बयान जारी किया गया है। पेंटागन ने इस दावे को पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत करार दिया है। मंत्रालय का स्पष्ट कहना है कि न तो रक्षा मंत्री हेगसेथ और न ही उनके किसी प्रतिनिधि ने ऐसे किसी निवेश के सिलसिले में निवेश कंपनी ब्लैक रॉक से कोई संपर्क किया है। पेंटागन ने इसे जनता को गुमराह करने और रक्षा मंत्री की छवि को जानबूझकर बदनाम करने के लिए रचा गया एक आधारहीन प्रयास बताया है।

रिपोर्ट में निवेश को लेकर क्या किया गया है दावा?

विवाद की जड़ बनी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि मॉर्गन स्टेनली में हेगसेथ के एक ब्रोकर ने फरवरी महीने में दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजर कंपनी 'ब्लैक रॉक' से संपर्क साधा था। यह संपर्क एसेट मैनेजर के डिफेंस

इंडस्ट्रियल्स एक्टिव ईटीएफ (IDEF) में एक बहुत बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के मकसद से किया गया था। बता दें कि 1988 में स्थापित ब्लैक रॉक एक जानी-मानी अमेरिकी निवेश कंपनी है और दुनिया भर में संपत्ति प्रबंधन के मामले में इसका बड़ा नाम है।

आखिर क्या है यह IDEF फंड जिसमें होना था निवेश?

यह फंड मुख्य रूप से रक्षा क्षेत्र की कंपनियों में निवेश कर ग्रोथ के अवसर तलाशता है और शेयर बाजार (Nasdaq) पर IDEF टिकर के तहत ट्रेड करता है। यह 3.2 बिलियन डॉलर का एक विशाल इक्विटी फंड है, जिसकी सबसे बड़ी होल्डिंग्स में दिग्गज डिफेंस कंपनियां जैसे आरटीएक्स (RTX), लॉकहीड मार्टिन (Lockheed Martin) और नॉथ्रॉप ग्रुम्मन (Northrop Grumman) शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी कंपनियों का सबसे बड़ा ग्राहक खुद अमेरिकी रक्षा विभाग है। पिछले एक साल में इस फंड में 28 प्रतिशत की शानदार बढ़त देखी गई है, हालांकि पिछले एक महीने में इसमें 13 प्रतिशत की गिरावट भी दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, यह करोड़ों का लेन-देन प्रशासनिक कारणों से पूरा नहीं हो सका, क्योंकि यह फंड पिछले साल मई में ही लॉन्च हुआ था और जांच के समय तक यह मॉर्गन स्टेनली के क्लाइंट प्लेटफॉर्म पर मौजूद ही नहीं था।

ईरान के साथ जारी भीषण युद्ध का एक महीना पूरा

अमेरिकी रक्षा मंत्री पर लगे ये गंभीर आरोप ऐसे नाजुक समय में सामने आए हैं जब अमेरिका और ईरान के बीच सीधा युद्ध चल रहा है। पीट हेगसेथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के वह अहम सदस्य हैं, जिन्होंने ईरान के खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई की सबसे ज्यादा वकालत की थी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच इस जंग को अब 30 दिन से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के एक जॉइंट ऑपरेशन से इस युद्ध की शुरुआत हुई थी। युद्ध के पहले ही दिन अमेरिका ने ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई को मार गिराया था। इसके बाद भी अमेरिका ने ईरान के कई बड़े नेताओं को निशाना बनाया है, लेकिन इसके बावजूद तेहरान अब भी अमेरिका और इजराइल के सामने पूरी मजबूती के

## चीन में निर्माणाधीन टनल में भीषण धमाका, 4 मजदूरों की मौत, 09 घायल

बीजिंग,(ए.)। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग क्षेत्र में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए भीषण विस्फोट ने चार मजदूरों की जान ले ली, जबकि 9 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सोमवार दोपहर उस समय हुआ, जब एक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के तहत सुरंग निर्माण का काम चल रहा था।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह सुरंग हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने के लिए बनाई जा रही थी। वानझोउ जिला परिवहन आयोग ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद एक मजदूर लापता हो गया था और 12 लोग घायल बताए गए थे। बाद में बचाव दल ने मलबे से लापता व्यक्ति का शव बरामद किया, जबकि अस्पताल में इलाज के दौरान तीन अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। इस प्रकार मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई। जांच में शुरुआती तौर पर सामने आया है कि सुरंग के भीतर ज्वलनशील गैस जमा हो गई थी, जिससे यह विस्फोट हुआ।

## ईरान पर हो सकता है न्यूक्लियर हमला, यूएन के राजनयिक ने दिया इस्तीफा; सीनियर्स पर लगाए गंभीर आरोप

न्यूयॉर्क (ए.) मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में एक वरिष्ठ राजनयिक ने इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वाले मोहम्मद सफा ने वैश्विक संस्था पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यूएन ईरान में संभावित परमाणु हमले जैसी स्थिति की तैयारी कर रहा है और उन्हें अपनी बात रखने से रोका गया।

मोहम्मद सफा, जो 'पैट्रियटिक विज़न' (PVA) संगठन के संयुक्त राष्ट्र में मुख्य प्रतिनिधि थे, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने एक विस्तृत पत्र साझा करते हुए कहा कि यह फैसला उन्होंने काफी सोच-विचार के बाद लिया है। सफा ने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ वरिष्ठ अधिकारी एक प्रभावशाली लॉबी के इशारे पर काम कर रहे हैं और उन्होंने उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की। उनका कहना है कि उन्हें संगठन के भीतर सेंसर किया गया। अपने बयान में सफा ने ईरान की राजधानी तेहरान की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि संभावित सैन्य कार्रवाई के मानवीय परिणामों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हुआ, तो इसके विनाशकारी प्रभाव पूरी दुनिया को झेलने पड़ सकते हैं।

## फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम होगा अब प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंटरनेशनल एयरपोर्ट

### -ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान एक ऐतिहासिक फैसला

वॉशिंगटन,(ए.)। अमेरिका के फ्लोरिडा में स्थित पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर अब डोनाल्ड ट्रम्प के नाम पर रखा जाएगा। इस फैसले के तहत एयरपोर्ट का नया नाम 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंटरनेशनल एयरपोर्ट' होगा।यह निर्णय फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस द्वारा एक विधेयक पर हस्ताक्षर करने के बाद लिया गया। अब इस नाम परिवर्तन को लागू करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। एफएए की मंजूरी मिलने के बाद फ्लाइट चार्ट, नेविगेशन सिस्टम और एयरपोर्ट साइनेज में बदलाव किया जाएगा। संभावना है कि यह नया नाम 1 जुलाई से लागू हो सकता है।यदि यह प्रक्रिया पूरी हो जाती है, तो ट्रम्प पहले ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति बन जाएंगे, जिनके कार्यकाल के दौरान ही उनके नाम पर किसी एयरपोर्ट का नाम रखा जाएगा। इसके साथ ही पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमेरिका का नौवां ऐसा वाणिज्यिक हवाईअड्डा बन जाएगा, जिसका नाम किसी राष्ट्रपति पर होगा।

## ईरान से जंग में खाली होने लगा अमेरिका का खजाना, ट्रंप ने अरब देशों से मांगा युद्ध का खर्च; जानें कितने अरब डॉलर हुए खर्च

वाशिंगटन (ए.)। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की जंग अब सिर्फ हथियारों के मोर्चे तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका भारी-भरकम आर्थिक असर भी दिखने लगा है। इस युद्ध में पानी की तरह अरबों डॉलर बहाए जा रहे हैं। इसी बीच व्हाइट हाउस के एक ताजा संकेत ने पूरी दुनिया में नई बहस छेड़ दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब इस महायुद्ध का वित्तीय बोझ अकेले उठाने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। व्हाइट हाउस ने इशारों-इशारों में यह साफ कर दिया है कि अमेरिका अब अरब देशों से इस युद्ध के खर्च में हिस्सेदारी मांग सकता है। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या ईरान के खिलाफ जंग का बिल अब अरब देशों को चुकाना पड़ेगा।

**युद्ध का बिल चुकाएंगे अरब देश?**

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन

लेविट ने मीडिया से बातचीत में इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अरब देशों से इस अमेरिका-इजरायल युद्ध का खर्च साझा करने के लिए मदद मांगने में काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान लेविट ने स्पष्ट किया कि हालांकि वह अभी इस मुद्दे पर आगे बढ़कर कुछ नहीं कहेंगी, लेकिन यह निश्चित रूप से एक ऐसा विचार है जिस पर ट्रंप गंभीरता से सोच रहे हैं और आने वाले समय में इस पर खुलकर बात की जा सकती है। इस युद्ध की लागत अमेरिका के लिए चौंकाने वाली साबित हो रही है। इस महीने की शुरुआत में पेंटागन के अधिकारियों ने अमेरिकी कांग्रेस को बताया था कि ईरान के खिलाफ युद्ध के शुरुआती छह दिनों में ही ट्रंप प्रशासन ने 11.3 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च कर दिए हैं। वहीं, एक मीडिया रिपोर्ट में पूर्व पेंटागन बजट अधिकारी एलेन मैककस्कर के अनुमान के हवाले से बताया गया है कि युद्ध के पहले तीन हफ्तों में पेंटागन को करीब 1.4 अरब से 2.9 अरब डॉलर की लागत उठानी पड़ी है। खर्च का सिलसिला यहीं नहीं रुक रहा है, बल्कि व्हाइट हाउस ने कांग्रेस से कम से कम 200 अरब डॉलर के अतिरिक्त सैन्य बजट की भी मांग की है ताकि सैन्य अभियानों को जारी रखा जा सके और हथियारों के खाली हो रहे भंडार को दोबारा भरा जा सके।

## 14 साल की सजा से लेकर 3 करोड़ जुर्माने तक, पाकिस्तान में तेल-गैस की चोरी पर बनेगा कानून; आतंकवाद की धारा भी लगेगी

इस्लामाबाद (ए.) तेल और गैस संकट के बीच पाकिस्तान सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए अवैध भंडारण, चोरी और तस्करी को आतंकवाद की श्रेणी में लाने का फैसला किया है। इस संबंध में सोमवार को नेशनल असेंबली में आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया।

डॉन अखबार के अनुसार, सरकार का कहना है कि तेल माफिया पहले तेल ठिकानों और पाइपलाइनों पर हमले करते हैं और फिर चोरी कर उसे ऊंचे दामों पर बेचते हैं। इससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल देश में आतंक फैलाने के लिए किया जाता है। इसी पृष्ठभूमि में सरकार ने इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून लाने का निर्णय लिया है। प्रस्तावित कानून के तहत तेल और गैस की चोरी, अवैध भंडारण और तस्करी को गंभीर आपराधिक अपराध माना जाएगा और जरूरत पड़ने पर आरोपियों पर आतंकवाद निरोधक कानून भी लगाया जा सकेगा।इस बीच, सोमवार को बलूचिस्तान में एक तेल पाइपलाइन पर हमले की खबर सामने आई, जिसके चलते क्वेटा सहित कई इलाकों में आपूर्ति बाधित हो गई। हालांकि, हमले के पीछे किसका हाथ है, इस पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। 1. तेल या गैस की चोरी करते पकड़े जाने पर आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होगा, जिसमें 14 साल तक की सजा और 3 करोड़ रुपये तक जुर्माना हो सकता है।

2. तेल और गैस की तस्करी या अवैध भंडारण पर 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। पेट्रोलियम पाइपलाइन पर हमले के मामलों में भी कड़ी कार्रवाई होगी।

# खेल समाचार

## आईपीएल 2026: आरआर के खिलाफ हार के बाद ट्रोल हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाज, वायरल हुए मीम्स

नईदिल्ली, (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के तीसरे मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 8 विकेट से हार मिली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपरकिंग्स 127 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके बाद सोशल मीडिया पर टीम के बल्लेबाज जमकर ट्रोल हुए और कई मीम्स वायरल हुए। चेन्नई सुपरकिंग्स का कोई भी शीर्षक्रम बल्लेबाज मैच में अच्छा नहीं कर पाया। नंबर-8 पर बल्लेबाजी करने आए जेमी ओवरटन ने 43 रन बनाए। आइए वायरल मीम्स पर नजर डालते हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स के दिग्गज बल्लेबाज धोनी चोटिल होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेल पा रहे हैं। ऐसे में जब चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाज आउट हुए तो उन्हें याद कर के चेन्नई सुपरकिंग्स के फैंस ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर किए।

## बीसीसीआई के प्रसारण इंजीनियर का मुंबई के होटल में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

नईदिल्ली, (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के रोमांच के बीच हैरान बड़ी दुखद खबर आई है। आईपीएल मैचों के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ प्रसारण इंजीनियर के रूप में काम कर रहे एक ब्रिटिश नागरिक का शव मुंबई के ट्राइडेंट होटल के कमरे में संदिग्धावस्था में मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। आइए पूरा मामला जानते हैं।

पुलिस के अनुसार, मृतक इयान विलियम्स लैंगफोर्ड है। वह 24 मार्च से ट्राइडेंट होटल में थे और आईपीएल मैच कवरेज का काम देख रहे थे। 29 मार्च को मैच खत्म होने पर वह अपने कमरे में लौटे, लेकिन 30 मार्च को उन्होंने होटल रिसेप्शन के कॉल का जवाब नहीं दिया। इसके बाद होटल स्टाफ ने मास्टर चाबी से उनका कमरा खोला तो वह फर्श पर अचेत हालत में पड़े मिले। इसके बाद होटल के डॉक्टर को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि होटल डॉक्टर द्वारा इयान को मृत घोषित करने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। मरीन ड्राइव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो सकेगी। बता दें कि 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला खेला गया था।

## अजिंक्य रहाणे ने आईपीएल में कप्तान के तौर पर पूरे किए 1,000 रन

नईदिल्ली, (ए.)। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दूसरे मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उनकी टीम को हार मिली। रहाणे ने वानखेड़े स्टेडियम में तेज अर्धशतक जड़ा और टीम को 220/4 के स्कोर तक पहुंचाया। अपनी 67 रन की पारी के दौरान वह आईपीएल में कप्तान के रूप में 1,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। रहाणे ने अपने ओपनिंग बल्लेबाज साथी फिन एलन (37) के साथ मिलकर 69 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। एलन के आउट होने के बाद उन्होंने कैमरून ग्रीन के साथ आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 10वें ओवर में सिर्फ 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 40 गेंदों में 67 रन बनाकर शार्दुल ठाकुर का शिकार बने। उनकी पारी में 3 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

## आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

### शाम 7.30 शुरु होगा मैच

लखनऊ (ए.)। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंटस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंटस के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंटस की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐमें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम

में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं।लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी।. राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर,ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे. वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था।

## फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो (ए.)। जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये।

## एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने (ए.)। भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

## दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं

मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही।

## गर्मी मे पक्षियों के दाना पानी का इंतजाम कर रहे युवा

डोलरिया। नर्मदापुरम(निप्र)। जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया। बैशाख लगने से पूर्व ही गांव में समाजसेवी संगठन के लोग पक्षियों के दाने पानी की चिंता करने लगे हैं। अनेक गांव के युवाओं ने छोटे बडे पेड़ों, घरों के छज्जों में पानी के पात्र लटकाना शुरू कर दिए हैं। टिगरिया के सुदीप पटेल ने लोगों से आग्रह किया है कि घरों में पानी के पात्र लटकाने से बड़ा पुन्य मिलता है। केशव गौर ने बताया कि गांव के अनेक घरों में पात्र लटकाने का क्रम जारी है उसमें पानी भरने के लिए भी परिवार के लोग ध्यान दे रहे है। ग्राम के युवा एवं छोटे बच्चे भी इस कार्य में सहयोगी बन रहे हैं। उन्होने कहा कि यह क्रम जारी रहेगा। वहीं कुछ लोग गायों के लिए भी पात्र रख रहे हैं। जिससे गर्गी के दिनों में गोमाता प्यासी न रहे। इस तरह पशु पक्षियों को गर्मी में पानी से राहत देने का कार्य समाजसेवियों के द्वारा किया जा रहा है। क्योंकि ये मूक पशु पक्षी किसी से पानी तो मांग नहीं सकते उनकी चिंता तो हमें ही करनी होगी।

# जिनसे जिले को कोई उपलब्धि नहीं ऐसे अधिकारी किस काम के?

## कोई प्लान नहीं, बेमतलब का रौब दिखाने वालों की होना चाहिए विदाई

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला मुख्यालय पर अपने कार्य से कोई उपलब्धि नहीं दिला पाएं ऐसे अधिकारी किस काम के उनकी तो जितने जल्दी हो यहां से विदाई हो जाए तो जिले को चेन मिल सके। पर्दा लगाकर गेट बंद करके पर्ची लेकर गेट पर कर्मचारी को तैनात करके जो सामान्य लोगों को कक्ष के अंदर आने में रोक टोक करते हों ऐसे सरकारी नौकरों से उनके अधिकार छीन लेने चाहिए। क्योंकि उनको लोगों की सेवा करने के लिए भेजा है या चेंबर में अपने परिवार के मेसेज मोबाइल देखने के लिए। परिवार को बोल देना चाहिए कि मेरी नौकरी के समय मेसेज न भेजें। कार्यालय में बैठकर जनता के हित के कार्य करना चाहिए न कि अपने रूतबे दिखाना चाहिए। कुछ अधिकारी ऐसे भी हैं जिनके कक्ष के गेट खुले रहते हैं उनसे कोई भी कभी भी आकर मिल सकता है। लेकिन कुछ बेमतलव की शान दिखाने या ऐसा कहा जाए कि एटिट्यूट दिखाने के लिए कार्यालय का गेट बंद करवा देते हैं कोई मिलने आए तो पर्ची पर नाम लिखकर दो या नाम बताओ फिर बेचारा चपरासी या गेट पर बैठा हुआ कर्मचारी एटिट्यूट वाले को जाकर बताता है कि गेट पर फला व्यक्ति आया है तब अंदर से उसे अनुमति दी जाती है कि आने दो तब उसे भेजा जाता है। यदि कोई सांसद विधायक या कोई अन्य प्रभावशाली व्यक्ति आए तो फिर तत्काल गेट खुल जाता है। ऐसा ही उस व्यक्ति के साथ भी होना चाहिए कि जो उससे मिलने के लिए आया है या कुछ समस्या है तभी तो आया है अंदर बैठे हुए नौकर की शकल देखने के लिए आया है। जो जरूरतमंद आया है उसी की बजह से सरकार है और अंदर बैठने के लिए सरकार ने ही नौकर रखे हैं। यह कोई उनका घर नहीं है कि मनमानी चलाई जाए। हां इतना जरूर है कि कोई बहुत ज्यादा जरूरी मीटिंग चल रही हो या कोई अन्य जरूरतमंद पहले से अंदर बैठकर अपनी समस्या बता रहा हो तो कुछ इंतजार कराया जा सकता है।

### हर कार्यालय प्रमुख का गेट खुलवाया जाए

विधानसभा और लोकसभा में बैठे जनप्रतिनिधियों को अपनी संसद में यह प्रस्ताव पास कराना चाहिए कि जिनकी वोटों की खातिर वे जनप्रतिनिधि हैं उनके वोटर यदि किसी अधिकारी के कक्ष में जाना चाहे तो उसकी बात सुनने के लिए वे तत्पर रहें। सभी कार्यालय प्रमुखों के गेट खुले रहना चाहिए। बार बार बंद करने की झंझट नहीं होना चाहिए। सुबह खुलें शाम को बंद हो जाएं। इसकी मानिटरिंग करने के लिए जनप्रतिनिधि स्वयं चुपचाप कार्यालय प्रमुख के गेट के पास जाएं और कार्यालयीन समय में गेट बंद मिले तो उच्चाधिकारियों से उनपर कार्रवाई कराएं। जब ऐसा होने लगेगा तो किसी भी कार्यालय में बैठे हुए अधिकारी का गेट बंद होना बंद हो जाएगा। नौकरों की इतने रूतबे दिखाने की जरूरत नहीं होना चाहिए।

### जल्दी ही विदाई होने वाली है

सुना जा रहा है कि जिले के कुछ बेमतलब का रौब दिखाने वालों की विदाई का समय आ गया है। उनका नाम लिस्ट में आने वाला है। उन्हें जल्दी ही यहां से किसी अन्य जिले में भेजा जाएगा। अच्छा है ऐसों को तो अब तक विदा कर ही देना चाहिए था।

## यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र की सत्यता की जांच अनिवार्य, फर्जी पाए जाने पर होगी सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र की सत्यता के अभिप्रमाणन के लिए निर्देश जारी किए हैं। तत्संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने समस्त जिला प्रमुख नर्मदापुरम को निर्देश दिए है कि जिले में शासन की योजनाओं का लाभ देने से पहले दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र की सत्यता का सत्यापन अनिवार्य होगा। इसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा और लाभ वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर लाभ लेने पर दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 द्वारा कठोर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें धारा 89 अनुसार प्रथम उल्लंघन पर 10 हजार रुपये तक का दंड और पुनरावृत्ति पर 50 हजार से 5 लाख रुपये तक का दंड शामिल है। इसके अलावा, धारा 91 फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर लाभ प्राप्त करने वाले को 2 वर्ष तक का कारावास या 1 लाख रुपये तक जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

## एसपी कार्यालय में हुई जनसुनवाई

### शिकायतों का किया गया निराकरण

नर्मदापुरम(निप्र)। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं। जनसुनवाई के दौरान कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें मुख्य रूप से चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी, मारपीट एवं महिला संबंधी प्रकरण शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना, पुलिस.जन संवाद को मजबूत बनाना, नागरिकों को न्याय दिलाना तथा पुलिस प्रशासन में विश्वास बनाए रखना पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेभर से आए नागरिक अपनी समस्याओं का प्रत्यक्ष निराकरण पा सकते हैं।

## अचानक गर्मी के तेज असर के कारण बढ़े सब्जी के दाम

नर्मदापुरम (निप्र)। अचानक गर्मी का असर तेज होने के साथ ही सब्जी के दामों में उछाल आने लगा है। सब्जी की फसल में सिंचाई की सुविधाएं कम होने तथा जमीनी जल का स्तर कम होने के कारण सभी सब्जी उत्पादक किसानों के पास सिंचाई सुविधा का अभाव होने से कई किसानों की सब्जी की फसल कमजोर हो गई। यहां तक कि कई किसानों की फसल तो सूखने की कगार पर या सूखने ही लगी है। जिससे हर बार होने वाले गर्मी के मौसम में सब्जी के उत्पादन में कमी हो रही है। इस कारण बाजार में सब्जी की आवक कम हुई है। जिससे दाम तेज रहे। जो सब्जी 20 और 30 रुपए प्रति किलो के भाव बिक रही थी। वह अब 40 से लेकर 60 रूपए प्रति किलो के भाव पहुंच गई है। सब्जी के दाम बढ़ने का एक कारण यह भी है कि तवा और नर्मदा की तलहटी में इस बार डंगरवाडी की फसल कम ही है। डंगरबाडी की फसल में सब्जी भी बहुतायत में लगाई जाने लगी थी। जो इस बार कम लगने के कारण ही जो सब्जी 20 के भाव मिल रही थी। वह 40 रुपए प्रति किलो से ऊपर बिक रही है। वहीं इस सीजन में गर्मी के मौसम की भिंडी की फसल डंगरबाडी की बजाए अब खेत से आ रही है। जिसके दाम 40 रूपए प्रति किलो बिक रहे हैं। इसी तरह अन्य फसलों के दाम भी बढ़ते जा रहे हैं। अब जिले में अन्य स्थानों से आने वाली सब्जी से पूर्ति करनी पड़ रही है।

## संवाद योजनान्तर्गत नवांकुर संस्थाओ की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

### सह प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र)। जिले की सभी नवांकुर संस्थाओ की एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन कार्यालय संयुक्त संचालक उद्यान के संभागीय प्रशिक्षण केंद्र नर्मदापुरम में किया गया। यह समस्त आयोजन उपसंचालक उद्यान रीता उइके एवं जिला समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद पवन सहगल के निर्देशन में किया गया। जिसमें मुख्य प्रशिक्षक के रूप में विजयालक्ष्मी बलबंडे वरिष्ठ उद्यान विस्तार अधिकारी एवं रेशमी कुमारी ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में सभी विकासखंड की नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सहगल के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रस्फुटन प्रशिक्षण ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान नर्सरी संचालन संस्कार केंद्र संचालन, जन सूचना केंद्र संचालन, प्याऊ संचालन सेक्टरस्तर बैठक आदि विषयों पर सभी नवांकुर संस्थाओ की विस्तार से समीक्षा की उन्होंने कहा कि सभी लोग टीम भावना से एकजुट होकर कार्य करें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्ययोजना निर्माण कर कार्य करने की बात कही उन्होंने आज दिनांक तक नवांकुर संस्थाओ द्वारा जिले में किये गए कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया। कार्यशाला में उद्यान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा सभी को नर्सरी निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया इस दौरान उन्होंने पॉलीथिन बेग की उपलब्धता बीज उपचार की विधि नर्सरी बेड बनाने का तरीका पौधा रोपण बीज एव पौंधों का चयन मिट्टी परीक्षण मौसम की अनुकूलता अलग अलग प्रकार से पौधारोपण की विधि किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी आदि विषयों सहित अन्य विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की इस दौरान उनके द्वारा सभी नवांकुर संस्थाओ के द्वारा नर्सरी निर्माण के सम्बंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर भी दिया कार्यक्रम के अंत मे सभी प्रतिभागियों जिला व ब्लॉक समन्वयक के साथ उद्यान विभाग की नर्सरी का भृमण कर प्रायोगिक अभ्यास भी किया कार्यक्रम में स्वागत व आभार प्रदर्शन विकासखंड समन्वयक जन अभियान परिष नरेंद्र देशमुख द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त विकासखंड समन्वयक जिले की समस्त 35 नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com